संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 137
पृष्ठ 8
गुरूवार
05 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जीवनशैली के दोषों से उपजा खतरा...

विचार- कमजोरों के लिए खतरनाक रसूखदार...

खेल- पाकिस्तान अपने ही खिलाड़ियों के...

**सीएम योगी का निर्देश**

## लंबित आवास मामलों के निस्तारण हेतु 'एकमुश्त समाधान योजना' लागू करें

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटनों के त्वरित निस्तारण के लिए एक नई 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस–2026)' लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित देयों और विवादित मामलों के कारण न केवल योजनाओं की प्रगति प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था लागू करना है, जिसमें समाधान तेज, पारदर्शी और सभी के लिए व्यावहारिक हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की किसी भी योजना में लंबित

भुगतान या विवादित आवंटन राज्य की विकास गति को धीमा करते हैं। इसलिए आवास विभाग को ऐसी समाधान–प्रधान व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे विभाग को आवश्यक राजस्व प्राप्त हो और आवंटियों को भी राहत मिले। उन्होंने कहा कि यह योजना जन–केंद्रित होनी चाहिए, जिसमें हर वास्तविक आवंटी को स्पष्ट और सरल विकल्प उपलब्ध हों। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में लागू की गई ओटीएस–2020 योजना से बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण हुआ था, लेकिन कोविड–19 के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर पाए। विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में प्रदेश के विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में मौजूद ऐसे सभी डिफॉल्ट मामलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओटीएस–2026 योजना को अधिक व्यावहारिक और लाभकारी स्वरूप दिया जाए। एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को देयों पर उपयुक्त छूट दी जाए। साथ ही, किस्तों में भुगतान की सुविधा हो। उन्होंने कहा कि योजना के प्रावधानों को अंतिम रूप देते समय यह ध्यान रहे कि योजना के मूल में आम आदमी को राहत देने का ही भाव निहित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विभाग द्वारा प्रत्येक आवेदन का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई योजना लागू होने से हजारों आवंटियों को राहत मिलेगी और विभाग को राजस्व भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे अवगत हो सकें। उन्होंने कहा, 'एकमुश्त समाधान योजना' के बारे में आम जनता के बीच सक्रिय रूप से जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि सभी पात्र लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि योजना की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और उपयोगकर्ता–अनुकूल होनी चाहिए।

**संसद में पीयूष गोयल बोले-**

## दोनों पक्षों के हितों का ध्यान रखा गया, इस ट्रेड डील से किसानों को कोई नुकसान नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। दोनों सदनों में उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि उर्वरक और कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि यह समझौता छोटे और मध्यम कारोबारियों, एमएसएमई, औद्योगिक इकाइयों, कुशल श्रमिकों और उद्योगों के लिए नए अवसर खोलेगा व उन्नत तकनीकों तक पहुंच को आसान बनाएगा। इससे मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड, डिजाइन इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड और इनोवेट इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड के लक्ष्यों को गति मिलेगी। गोयल के बयान के दौरान संसद में विपक्ष का हंगामा जारी रहा, लेकिन मंत्री ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए बातचीत पूरी की है। मंत्री ने बताया कि 2 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर टेलीफोनिक बातचीत हुई थी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। गोयल ने जोर देकर कहा कि यह दर कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लागू अमेरिकी टैरिफ से कम है, जिससे भारतीय निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। गोयल ने आगे कहा कि पिछले वर्ष दोनों देशों के वार्ताकारों ने विभिन्न स्तरों पर विस्तृत चर्चा की। दोनों पक्षों के महत्वपूर्ण हितों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि वार्ताओं के दौरान भारतीय पक्ष ने विशेष रूप से कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपने हितों की सफलतापूर्वक रक्षा की।

**किरेन रिजिजू का राहुल गांधी को दो टूक जवाब**

## मनमाने ढंग से नहीं, नियमों के अनुसार बोलना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सदन में बोलते समय संसदीय नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने गांधी के पत्र का जवाब दे दिया है और संसद में कोई भी सदस्य मनमाने ढंग से नहीं बोल सकता। एक दिन पहले, राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बोलने से रोके जाने पर चिंता व्यक्त की थी। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि मैंने इसका जवाब दे दिया है। हम भी इंतजार करते–करते थक गए हैं, लेकिन वह बोलते नहीं हैं। उनका कहना है कि वह नियमों का उल्लंघन करके बोलेंगे। हमने दो दिन इंतजार किया, लेकिन दूसरों को भी बोलने की अनुमति मिलनी चाहिए। वह मनमाने ढंग से नहीं बोल सकते। यह भारत की संसद है, आपको नियमों के अनुसार बोलना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने कहा कि संसद में बोलने का अधिकार विपक्ष के नेता और हर सांसद को है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर राहुल गांधी को जानबूझकर रोकने और विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। सिंह ने एएनआई से कहा कि यह सच है। विपक्ष के नेता और हर सांसद को बोलने का अधिकार है। मैं देख रहा हूं कि जिस दिन से राहुल गांधी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, पूरी भाजपा सरकार उन्हें रोकने पर तुली हुई है... भाजपा का इतिहास इसी तरह लिखा गया है। अतीत में, उन्होंने सांसदों को निलंबित करके सदन चलाया है। अगर वे विपक्ष–विहीन सदन चलाना चाहते हैं, तो चलाएं। अगर वे विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं, तो हम इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। बुधवार को लोकसभा को विपक्षी सदस्यों द्वारा बजट सत्र के दौरान एक दिन पहले आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में जोरदार नारेबाजी के बीच स्थगित कर दिया गया। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर मीडिया से बात करते हुए गांधी ने भी यही आरोप लगाए थे। निलंबित सांसदों में कांग्रेस सदस्य हिबी ईडन, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, प्रशांत यदाओराव पाडोले, चमाला किरण कुमार रेड्डी और डीन कुरियाकोस के साथ–साथ सीपीआई (एम) सांसद एस वेंकटेशन भी शामिल हैं।

**एसआईआर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सीएम ममता की दलीलें,बोलीं-**

## बंद दरवाजों के पीछे न्याय रो रहा है

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली, जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं।

अधिवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं, 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि 8,300 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है, जो संविधान के तहत परिकल्पित श्रेणी नहीं है। दीवान ने आगे कहा कि निवास प्रमाण पत्र, आधार और ओबीसी प्रमाण पत्र सहित कई स्वीकृत दस्तावेजों को अस्वीकार किया जा रहा है, जिससे लोगों को चार से पांच घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि बंगाल में श्री द्विवेदी का उच्चारण दिबेदी होगा, और बताया कि बंगाली भाषा में वा की ध्वनि नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि कम से कम उनके नाम का उच्चारण तो सही होगा, जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा। वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि नाम संबंधी विसंगतियों के कारण सीमित समय का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो रहा है और मतदाताओं को गंभीर असुविधा हो रही है। मुख्य न्यायाधीश ने भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से पूछा कि कुछ विसंगतियां स्थानीय बोलियों और उच्चारण में भिन्नता के कारण उत्पन्न होती हैं और इस तरह की समस्याएं पूरे देश में होती हैं।

इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जब कोई बेटी शादी के बाद अपने ससुराल जाती है, तो सवाल उठते हैं कि वह अपने पति का उपनाम क्यों इस्तेमाल कर रही है। उनके अनुसार, ऐसी कई महिलाओं के नाम एकतरफा तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि फ्लैट खरीदने या निवास स्थान बदलने वाले गरीब लोगों के नाम भी हटाए जा रहे हैं। सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों के बावजूद, अधिकारी ऐसे मामलों को शगलत मानचित्रणश बताकर अदालत के पूर्व निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अदालत को बताया कि इस अदालत के आधार कार्ड को मान्यता देने के निर्देश के बाद बंगाल के लोगों को राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाते हैं, जबकि चुनाव की पूर्व संध्या पर केवल बंगाल को ही निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि वह इसी राज्य की निवासी हैं और न्यायालय की इस दयालुता के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि जब न्याय शबंद दरवाजों के पीछे पुकार रहा होता हैश, तो ऐसा लगता है कि कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने न्यायालय को सूचित किया कि चुनाव आयोग को छह पत्र लिखे जा चुके हैं।

## मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय के ताने–बाने को कमजोर किया–खरगे

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 6062 शब्दों को अभिभाषण इस सरकार ने तैयार किया है। लेकिन कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। मैं सदन में सिर्फ पांच जरूरी मुद्दे आपके सामने रखना चाहूंगा। मैं सामाजिक न्याय, सामाजिक सद्भाव, संसदीय लोकतंत्र पर हमला, अर्थव्यवस्था और किसानों मजदूरों की दिक्कतें और विदेश नीति की खामियां.. पर अपनी बात रखना चाहता हूं। खरगे ने कहा, आपको यह बताना चाहता हूं कि इस सत्ता ने कितना

समय देश की भलाई के लिए दिया है। कितना समय इन्होंने देश के बाहर बिताया। यह आप सबको मालूम है। सबसे पहले मैं सामाजिक न्याय पर बात रखूंगा। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय के ताने–बाने को कमजोर किया है। उनके सांविधानिक हक–हकूकों पर चोट पहुंचाई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण में महिला सशक्तिकरण पर बात हुई, लेकिन सच यह है कि महिलाएं भाजपा के लिए केवल वोट बैंक बनकर रह गई हैं। अगर मोदी वाकई महिलाओं का नेतृत्व आगे लाना चाहते हैं, तो सबसे महिला आरक्षण विधेयक पारित करते, इस पर शर्तें नहीं रखते। अगर आपको उन्हें शक्ति देनी है, तो आप ये विधेयक पास कर सकते हैं।

## बुलडोजर कार्रवाई पर कोर्ट नाराज, पूछा– रोक के बावजूद ध्वस्तीकरण करना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने सरकार से पूछा है कि क्या 2025 में रोक के बावजूद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने सरकार से पूछा है कि क्या 2025 में रोक के

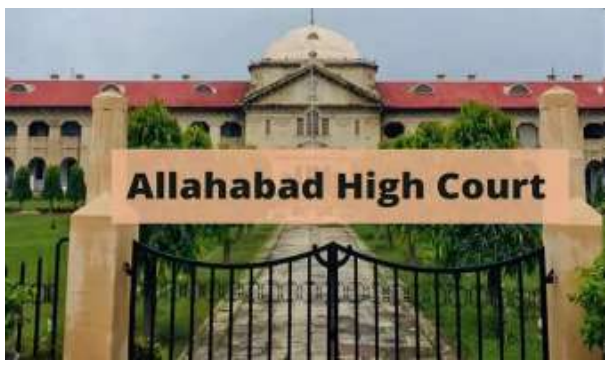


बावजूद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना नहीं है। क्या यह कार्यपालिका का अपनी मंशा छिपाकर शक्तियों का प्रयोग करने का उदाहरण नहीं है। यह टिप्पणी हमीरपुर निवासी फैमुद्दीन व दो अन्य की याचिका पर की। फैमुद्दीन के परिवार के आफान खान के खिलाफ सुमेरपुर थाने में 16 जनवरी 2026 को आईटी एक्ट, पॉक्सो व धर्मांतरण निरोधक कानून के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि घटना के बाद भीड़ ने याची फैमुद्दीन के घर को निशाना बनाया, जबकि ये आरोपी नहीं हैं। इसके बाद भी इनको नोटिस दिया गया। साथ ही लॉज और मिल को सील कर दिया गया। ऐसे में याची ने आशंका जताई है कि इनकी संपत्तियों को बुलडोजर से गिराया जा सकता है। इसे लेकर इन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। राज्य की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने दलील दी कि याचिका अभी अपरिपक्व है। आवास और लॉज सील नहीं किए गए हैं। मिल से प्रतिबंधित लकड़ी बरामद होने का तथ्य याचियों ने छिपाया है। भरोसा दिलाया कि कानूनी प्रक्रिया और सुनवाई का अवसर देने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

## कीडगंज में 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी हिरासत में, पीड़िता एसआरएन रेफर

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने वारदात को अंजाम दिया। कीडगंज थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कीडगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने वारदात को अंजाम दिया। कीडगंज थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। सोमवार रात परिजनों को बेटी के साथ दुष्कर्म की बात पता चली। अगली सुबह मंगलवार को परिजन बेटी को लेकर डफरिन अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक किराये के कमरे में रहकर पटरी पर फास्ट फूड की दुकान लगाता है। कीडगंज थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अभी तक लिखित तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## यूपी बोर्डः प्रदेश में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिह्नित, नकल विहीन परीक्षा का दावा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं को नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रदेश भर के 8033 परीक्षा केंद्रों में से 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं को नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रदेश भर के 8033 परीक्षा केंद्रों में से 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों में कमी आई है। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से प्रारंभ होंगी। इसमें हाईस्कूल के 27,50,945 और इंटरमीडिएट के 24,79,352 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 52 लाख 30 हजार 297 से अधिक परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में भाग लेंगे। परीक्षा को नकल विहीन बनाने के उद्देश्य से माध्यमिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश के सभी जिलों से संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की सूची तलब की थी। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों को चिह्नित कर विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। वहीं, वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में 306 परीक्षा केंद्रों को अति संवेदनशील और 692 को संवेदनशील घोषित किया गया था। प्रदेश के 18 जिलों को भी संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां पूर्व वर्षों में सामूहिक नकल और अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। हालांकि, यह भी चर्चा है कि संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों के चयन में कुछ जिलों में ऐसे विद्यालयों को भी सूची से बाहर रखा गया है, जहां पूर्व में नकल की शिकायतें रही हैं। इस पर परिषद स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने स्पष्ट किया कि यूपी बोर्ड नकलविहीन परीक्षा कराने को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर नकल नहीं होने दी जाएगी। पिछले वर्ष नकल कराने के आरोप में दोषी पाए गए शिक्षकों और परीक्षा केंद्रों को डिबार किया जा चुका है और इस वर्ष भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## महिला अधिवक्ता से मारपीट मामले में एफआईआर, बार कौंसिल चुनाव के दौरान हुई थी घटना

प्रयागराज। बार कौंसिल चुनाव के दौरान महिला अधिवक्ता से मारपीट के मामले में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने दो नामजद समेत 30–40 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है। महिला अधिवक्ता ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम आरोपी एक राय होकर आए और गालीगलौज करते हुए हमला कर दिया। बार कौंसिल चुनाव के दौरान महिला अधिवक्ता से मारपीट के मामले में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने दो नामजद समेत 30–40 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है। महिला अधिवक्ता ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम आरोपी एक राय होकर आए और गालीगलौज करते हुए हमला कर दिया।

# यूजीसी नियमावली पर चर्चा को लेकर दो गुटों में चले लात–घूंसे, हंगामा

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) परिसर के बरगद लॉन में मंगलवार को उस दौरान हंगामा हो गया, जब छात्रों के गुटों के बीच लात–घूंसे चलने लगे। यूजीसी नियमावली–2026 को लेकर छात्रों का एक समूह चर्चा कर रहा था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) परिसर के बरगद लॉन में मंगलवार को उस दौरान हंगामा हो गया, जब छात्रों के गुटों के बीच लात–घूंसे चलने लगे। यूजीसी नियमावली–2026 को लेकर छात्रों का एक समूह चर्चा कर रहा था। इसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया तो मारपीट शुरू हो गई। एक छात्र को दांत से काटने का भी आरोप है। वहीं, कई अन्य छात्र भी जख्मी हुए हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए इविवि प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

दिशा छात्र संगठन के चंद्रप्रकाश का आरोप है कि वह साथी संजय, निधि, पूजा और अन्य के साथ इविवि परिसर स्थित बरगद लॉन में बैठकर यूजीसी से संबंधित विषयों पर बातचीत कर रहे थे। आरोप है कि तभी अचानक 30–40 युवक कार से पहुंचे और खुद को एक दल का कार्यकर्ता बताया। युवकों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। बीच–बचाव के लिए आईं छात्राओं से भी बदसलूकी की गई।

दोनों पक्षों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

आरोप है कि छात्राओं को पीटा गया जिससे अफरातफरी मच गई। घटना के बाद कर्नलगंज थाने में शिकायत करने का प्रयास किया गया, लेकिन वहां से उन्हें पहले इविवि के प्रॉक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। इसके बाद प्रॉक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत सौंपी गई। उधर, दूसरे पक्ष की ओर से भी प्रॉक्टर कार्यालय में शिकायत की गई है। बीए तृतीय वर्ष के छात्र आयुष राय का आरोप है कि बरगद लॉन में बैठे कुछ लोग जातिगत टिप्पणियां कर रहे थे। विरोध करने पर मारपीट कर दांत से काट लिया गया।

वहीं, कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है, लेकिन दोनों पक्षों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई जाएगी।

फावड़ा लेकर मारने के लिए दौड़ा छात्र

सोशल मीडिया पर वायरल 2.30 मिनट के वीडियो में दिख रहा है कि दोनों गुट एक–दूसरे से मारपीट कर रहे हैं। इस बीच एक छात्र फावड़ा लेकर दूसरे छात्रों के गुट पर हमला करने के लिए दौड़ता दिखा, लेकिन अन्य छात्रों ने उसे रोक लिया।

इविवि की पीआरओ प्रो. जया कपूर ने बताया कि बरगद लॉन में यूजीसी नियमावली–2026 विषय पर बिना पूर्व अनुमति के दिशा छात्र संगठन के लोग कार्यक्रम और नारेबाजी कर रहे थे। दूसरे पक्ष ने विरोध किया तो छात्रों में झड़प हो गई। सूचना पर विवि प्रशासन ने हस्तक्षेप किया। स्थानीय पुलिस को तत्काल अवगत कराया गया। स्थिति को शीघ्र नियंत्रण में लाया गया और परिसर में शांति व्यवस्था बहाल की गई। जिस छात्र को दांत से काटा गया था, उसका इलाज करवाया गया है। शिकायतों के आधार पर जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी छात्र संगठनों एवं विद्यार्थियों से संयम, संवाद और शैक्षणिक गरिमा बनाए रखने की अपील की है।

# पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश पप्पू की मौत, सराफा कारोबारी से की थी लूट

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के मझुआ नहर के पास 27 जनवरी को पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश पप्पू सोनकर की एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। सोहबतियाबाग थाना जॉर्ज टाउन निवासी पप्पू को घायल होने के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया था।

करछना थाना क्षेत्र के मझुआ नहर के पास 27 जनवरी को पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश पप्पू सोनकर की एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। सोहबतियाबाग थाना जॉर्ज टाउन निवासी पप्पू को घायल होने के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार किए गए थे। मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चर्चा है कि हृदयगति रुकने से उसकी मौत हुई है। करछना थाना क्षेत्र में लूट को अंजाम देने वाले चार बदमाशों से बुधवार रात पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। जिसमें दो बदमाश पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर के पैर में गोली लगी थी। उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर कर एसआरएन

अस्पताल में भर्ती कराया था। दो बदमाश उमेश व विवेक फरार हो गए थे।

22 दिसंबर को करछना थाना क्षेत्र के घोड़ेडीह गांव के पास सराफा कारोबारी चंदन सोनी को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर दो किलो चांदी और 20 ग्राम सोना लूट लिया था और फरार हो गए थे। इसी तरह करछना थाना क्षेत्र के पूरा घीसन चौराह स्थित लक्ष्मी ज्वेलर्स की संचालिका कविता विश्वकर्मा 21 जनवरी की शाम स्कूटी से घर जा रही थीं। तेवरिया की पुलिया पर बाइक सवार बदमाशों ने कविता के सिर पर डंडे से वार किया और डेढ़ किलो चांदी, 6500 नकदी, डिजिटल तराजू व स्कूटी लेकर फरार हो गए।

पप्पू के खिलाफ दर्ज थे 22 मामले

घटना के बाद पुलिस ने बदमाशों को दबोचने के लिए टीम बनाई। 27 जनवरी की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को दबोचने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सोहबतियाबाग निवासी पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर के पैर में गोली लगी थी। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर एसआरएन ले आई। जबकि बारा थाना क्षेत्र निवासी उमेश कोल, सोहबतियाबाग झोपड़पट्टी निवासी विवेक सोनकर मौका पाकर फरार हो गए थे। पप्पू सोनकर के खिलाफ प्रयागराज के विभिन्न थानों में 22 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। प्रयागराज के अलग–अलग ग्रामीण इलाकों में लूट और छिनैती की वारदातों को अंजाम देता था।

# हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी– वर्दी की हनक में मानवाधिकार का गला नहीं घोंट सकती पुलिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वर्दी की हनक में पुलिस मानवाधिकार का गला नहीं घोंट सकती। बेशक उसके पास गिरफ्तारी की शक्ति है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि मनमर्जी से किसी को भी सलाखों के पीछे ढकेल दे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वर्दी की हनक में पुलिस मानवाधिकार का गला नहीं घोंट सकती। बेशक उसके पास गिरफ्तारी की शक्ति है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि मनमर्जी से किसी को भी सलाखों के पीछे ढकेल दे।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंडपीठ ने छेड़खानी के आरोपी याची की अवैध गिरफ्तारी और 79 दिनों के उत्पीड़न के बदले राज्य सरकार पर एक लाख रुपये का हर्जाना लगाया है।

कोर्ट ने कहा कि किसी को भी महज संदेह या आरोप के आधार पर जेल भेजना अनुच्छेद–21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का क्रूर उल्लंघन है। गिरफ्तारी की शक्ति का होना और उसे इस्तेमाल करने का औचित्य होना, दो अलग बातें हैं। रूटीन तरीके से किसी को उठा लेना न केवल कानून का अपमान है, बल्कि यह उस व्यक्ति के आत्मसम्मान और प्रतिष्ठा को ऐसी अपूरणीय क्षति पहुंचाता है, जिसकी भरपाई नामुमकिन है।

गोरखपुर में घटना, लखनऊ से गिरफ्तारी

मामला गोरखपुर जिले का है। याची को सुनील कुमार गुप्ता को 2017 में गोरखपुर पुलिस ने छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास जैसे गंभीर आरोप में लखनऊ से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के वक्त पुलिस ने न तो यह देखा कि आरोपी उस दिन शहर में था या नहीं और न ही मेडिकल रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि हुई।

79 दिन जेल में बिताने के बाद याची ने अपनी बेगुनाही के सबूत पेश किए। साबित किया कि कथित घटना के दिन वह गोरखपुर में मौजूद ही नहीं था। आंतरिक पुलिस जांच में भी दरोगा को लापरवाही का दोषी पाया गया था।

पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की शक्ति मिलने मात्र से यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह रूटीन तरीके से किसी को भी गिरफ्तार कर ले। – हाईकोर्ट हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा–सजा देने का अधिकार न्यायपालिका के पास है

कोर्ट ने कहा कि वह ऐसे कई मामलों का साक्षी रहा है, जहां अपराध के तुरंत बाद संपत्तियों को निशाना बनाकर औपचारिकताएं पूरी कर ध्वस्तीकरण कर दिया जाता है। निर्माण को तोड़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से 2025 में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने पूछा कि क्या ध्वस्तीकरण शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन नहीं है। क्योंकि, सजा देने का अधिकार न्यायपालिका के पास है। कोर्ट ने चार प्रमुख कानूनी सवाल तय करते हुए पक्षों से नौ फरवरी को जवाब मांगा है। अंतरिम आदेश में पुलिस को याचिकाकर्ताओं के जीवन, अंग और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोर्ट के सवाल

क्या सुप्रीम कोर्ट के 2025 के आदेश का पालन हो रहा है?

क्या अपराध के तुरंत बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करना सरकार के विवेक का दुरुपयोग नहीं है?

क्या राज्य का यह कर्तव्य नहीं है कि वह सार्वजनिक आवश्यकता के अभाव में किसी का घर न गिराए?

ध्वस्तीकरण की आशंका होने पर क्या कोई नागरिक अदालत जा सकता है?

## शुआट्स से निकाले गए 53 शिक्षकों को पुनः नियुक्त किए जाने का शासनादेश

प्रयागराज। सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शुआट्स) में बीते एक जुलाई 2025 को वित्तीय संकट का हवाला देते हुए दस विभागों को बंद कर 53 शिक्षकों की सेवाएं का समाप्त कर दी गई थीं। सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शुआट्स) में बीते एक जुलाई 2025 को वित्तीय संकट का हवाला देते हुए दस विभागों को बंद कर 53 शिक्षकों की सेवाएं का समाप्त कर दी गई थीं। मंगलवार को शासन ने उन 53 शिक्षकों की सेवाओं को तत्काल चालू करते हुए उन्हें भुगतान करने का आदेश दिया है। शुआट्स के फैसले के खिलाफ डॉ. आरती सिंह, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. नरगिस फातिमा व अन्य स्ववित्त पोषित शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश शासन से शिकायत दर्ज की थी। शिकायतकर्ताओं ने विवि पर वित्तीय अनियमितता, अनुदानित पदों पर जान–पहचान के व्यक्तियों को स्ववित्तपोषित अंश से स्थानांतरित करने के आरोप भी लगाए थे। शासन ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की, जिसने अपनी रिपोर्ट में विश्वविद्यालय पर वांछित सहयोग न करने और नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों का पालन न किए जाने का उल्लेख किया था। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने 15 मार्च से पूर्व तैनात कुलपति सहित 36 लोगों का वेतन अनुदान जारी करने और अनियमित रूप से तैनात कुलसचिव प्रो. रानू प्रसाद, प्रति कुलपति प्रो. रितु प्रकाश दूबे सहित 26 लोगों से अनुदान वसूलने की कार्यवाही के लिए 15 दिन में स्पष्टीकरण विवि से मांगा है। अभिलेखों के अभाव में जांच न किए जाने के कारण 74 शैक्षिक एवं 86 गैर शैक्षणिक पदों पर कार्यरत लोगों का वेतन रोकने का आदेश दिया है। इसके अतिरिक्त हटाए गए 53 शिक्षकों की बहाली के निर्देश दिए।

विवि ने कहा– मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन

नैनी। शुआट्स मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ. रमाकांत दुबे ने बताया कि 53 प्राध्यापकों को हटाए जाने के संबंध में मामला हाईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। कोर्ट के निर्णय के पूर्व उनकी पुनःनियुक्ति विश्वविद्यालय में किया जाना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय में कई विभागों में 90 प्रतिशत से अधिक सीटें रिक्त होने और गंभीर वित्तीय संकट के कारण प्रावधानित नियमों के तहत 10 विभाग को बंद कर 53 शिक्षकों की सेवाएं समाप्त की गई हैं। इन शिक्षकों के वेतन के लिए यदि उत्तर प्रदेश शासन से अनुदान स्वीकृत किया जाता है तो बंद किए गए विभागों को पुनः खोलने में कोई आपत्ति नहीं है। उत्तर प्रदेश शासन ने शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में 15 दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। सभी नियुक्तियां निर्धारित मानकों और नियमों का पालन करते हुए की गई हैं। नियुक्ति संबंधी समस्त अभिलेख एवं स्पष्टीकरण निर्धारित अवधि में शासन को उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

## कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगी 8033 परीक्षा केंद्रों की निगरानी, 40 कर्मचारी तैनात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं को नकलविहीन, शुचिता पूर्ण और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यूपी बोर्ड मुख्यालय में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं को नकलविहीन, शुचिता पूर्ण और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यूपी बोर्ड मुख्यालय में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है। केंद्र पर 40 कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। 8033 परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर में रिकॉर्ड डाटा को ऑनलाइन लिंक कर केंद्रों व स्ट्रॉन्ग रूम की 24 घंटे निगरानी की जाएगी। प्रयागराज सहित पूर्व में चिह्नित 18 संवेदनशील जिलों पर विशेष नजर रहेगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर के आईपी एड्रेस और क्लाउड आईडी को विशेष सॉफ्टवेयर पर अपलोड कराने के लिए एक फरवरी से कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। इसके तहत विभिन्न मंडलों में निगरानी के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अलीगढ़, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, बस्ती, कानपुर, झांसी, अयोध्या, चित्रकूट, मिर्जापुर, गोरखपुर, देवीपाटन और आजमगढ़ मंडलों में दो–दो कर्मचारियों की तैनाती की गई है। आगरा, वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ मंडलों में तीन–तीन कर्मचारियों को विशेष निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के कार्यों की निगरानी के लिए अपर सचिव (प्रशासन) सत्येंद्र कुमार को नोडल अधिकारी, उप सचिव डॉ.देवब्रत सिंह को सह–नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उप सचिव स्तर के 12 से अधिक अधिकारियों को मंडलवार पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी गई है।

## श्री बांके बिहारी जी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाना सही, अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के वृंदावन स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज के मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाने के फैसले को सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित हाई–पावर्ड मंदिर प्रबंधन समिति के खिलाफ दायर अवमानना याचिका खारिज कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के वृंदावन स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज के मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाने के फैसले को सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित हाई–पावर्ड मंदिर प्रबंधन समिति के खिलाफ दायर अवमानना याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि दर्शन अवधि बढ़ाने का फैसला तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ और उन्हें हो रही असुविधा को देखते हुए लिया गया, जिससे मंदिर के भीतर और बाहर दबाव कम किया जा सके। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने गौरव गोस्वामी की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त समिति ने नवंबर 2022 में हाईकोर्ट द्वारा पारित स्थगन आदेश का उल्लंघन करते हुए दर्शन का समय बढ़ाया है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि नवंबर 2022 में हाईकोर्ट ने मथुरा के सिविल कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाई थी, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट और जिला जज के बीच हुई बातचीत के आधार पर दर्शन का समय बढ़ाने की कोशिश की गई थी।

हालांकि, बाद में तीर्थ यात्रियों को हो रही भारी परेशानी और प्रशासनिक गतिरोध को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आठ अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में हाई–पावर्ड मंदिर प्रबंधन समिति का गठन किया था। समिति की 11 सितंबर 2025 को हुई बैठक में दर्शन अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसे 19 सितंबर 2025 को जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर, मथुरा की ओर से कार्यालय ज्ञापन जारी कर लागू किया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि नवंबर 2022 का स्थगन आदेश जिस संदर्भ में दिया गया था, वह उस स्थिति से भिन्न था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित समिति ने विचार–विमर्श कर निर्णय लिया।

## नशा मुक्ति केंद्र पर आयोजित किया विधिक साक्षरता शिविर

मुजफ्फरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में मान्य जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर सत्येंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन मे विधिक साक्षरता शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जीवन रेखा नशा मुक्ति केंद्र सुंदर नगर रामपुर तिराहा मुजफ्फरनगर में आयोजित




किया गया कार्यक्रम में परलीगल वालंटियर धनीराम जी ने समाज में फैली नशे की प्रवृत्ति एवं नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया नशे से पारिवारिक नुकसान आर्थिक नुकसान एवं समाज में फैली कुरीति को समाप्त करने के लिए उपस्थित व्यक्तियों को जागरूक किया नशा मुक्ति केंद्र पर मिलने वाली सुविधाएं खाने की, टॉयलेट की, सोने की अन्य प्रकार की सुविधाव डॉक्टर आदि के बारे में जाना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मिलने वाले निशुल्क अधिवक्ता के बारे में एवं व्यक्ति किस प्रकार अपने विवादों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कर सकता है जागरूक किया आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2026 को न्यायालय परिसर मुजफ्फरनगर में किया जाएगा।

## प्रदेश के शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला, अवकाश के दिन नहीं बुला सकते जबरन, जारी होंगे स्पष्ट निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षकों को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कई बार छुट्टियों में भी शिक्षकों को बुला लेते हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से इस पर रोक लगाने का आदेश भी जारी किया गया। किंतु इस पर प्रभावी अमल नहीं हो रहा है। वहीं इसकी शिकायत शासन में हुई है। अब शासन इसके लिए कड़े निर्देश जारी करेगा। पिछले दिनों कड़ाके की ठंड में माध्यमिक विद्यालयों में भी छुट्टी की गई थी। वहीं कुछ अन्य अवसरों पर भी छुट्टियों में शिक्षकों को काम के लिए डीआईओएस द्वारा बुलाया गया था। कई जिलों में तो विद्यालय खुलने का समय निकलने के बाद सूचना देकर शिक्षकों को बुलवाया गया था। इसे लेकर शिक्षक संगठनों ने शासन में उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। साथ ही निदेशालय में भी इसकी सूचना दी गई है। इस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने संबंधित डीआईओएस को पत्र भेजकर नाराजगी जताई है। साथ ही यह कहा है कि जल्द ही शासन की ओर से इसके लिए कड़े निर्देश भी जारी किए जाएंगे। इसमें यह व्यवस्था दी जा रही है कि छुट्टी के दिन किसी भी शिक्षक को ड्यूटी पर बुलाने से पहले संयुक्त शिक्षा निदेशक से अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। वहीं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश महामंत्री राजीव यादव ने कहा है कि छुट्टियों में काम के बदले उन्हें प्रतिकर अवकाश दिया जाए।

## लखनऊ में बेकाबू कार ने स्कूटी सवार को रौंदा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार 40 साल के ललित चौधरी की मौत हो गई। वह ड्यूटी से घर लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल ललित को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। यह घटना अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) में बद्री नगर पुलिया से आगे उस समय हुई, जब ललित चौधरी रात करीब 11 बजे अपनी ड्यूटी खत्म कर घर वापस जा रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ललित बुरी तरह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में ललित को लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया, लेकिन ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही ललित चौधरी की मौत हो गई। बंथरा के औरावां निवासी राममिलन के अनुसार, उनके चचेरे भाई ललित चौधरी (40) अपनी पत्नी पूजा के साथ सरोजनी नगर की जयराज पुरी कॉलोनी में रहते थे।


**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना सं0 : 74-डब्लू-सीएसपी-25-26-05,06

**ई-निविदा सूचना**

उप मुख्य इंजीनियर/कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

| | |
|---|---|
| निविदा नं0 : 74-W-CSP-25-26-05 | अनुमानित मूल्य (रू) : 29.14 लाख |
| कार्यों का विवरण : सीएसपी/एसएफजी/पीआरवाईजे को 10 मिमी नाममात्र आकार के ग्रेनाइट पत्थर के मोटे एग्रीगेट की आपूर्ति। | |
| बयाने की रकम (रू.) : 58300.00 | कार्य समापन की अवधि : 12 महीना |
| निविदा खुलने की तिथि : 27.02.2026 | |
| निविदा नं0 : 74-W-CSP-25-26-06 | अनुमानित मूल्य (रू) : 19.25 लाख |
| कार्यों का विवरण : सीएसपी/एसएफजी/पीआरवाईजे को महीन एग्रीगेट (नदी की मोटी रेत) की आपूर्ति। | |
| बयाने की रकम (रू.) : 38500.00 | कार्य समापन की अवधि : 12 महीना |
| निविदा खुलने की तिथि : 27.02.2026 | |

नोट : 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाईन प्रस्तुत करना आवश्यक है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। 6. बायाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और/.सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी.एस.टी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। 10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित/स्थगित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 11. निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किए जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अलग सूचना नहीं दी जाएगी। 231/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR


# मऊः पितृ पर्व के रूप में मनाई स्व. जेपी मिश्र की 71वीं जयंती एवं द्वितीय पुण्य तिथि, घोसी में हुआ भव्य आयोजन

'घोसी (मऊ)। घोसी स्थित जेपी उद्यान में स्वर्गीय जेपी मिश्र की 71वीं जन्म जयंती एवं द्वितीय पुण्य तिथि को पितृ पर्व के रूप में श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगद्गुरु श्री रामदिनेशाचार्य जी (हरिनाम पीठ, अयोध्या धाम) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोजकांत जी सह (सह प्रचार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान श्रवण कुमार सम्मान भी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि जगद्गुरु श्री रामदीनेशाचार्य जी ने पितृ सत्ता और पुत्र के महत्व पर गहन विचार रखते हुए कहा कि "पिता की आत्मा ही पुत्र बनकर आती है, इस सत्य को वर्तमान परिवेश में समझना अत्यंत आवश्यक है।" उन्होंने कहा कि आज लोग पिता की संपत्ति और वसीयत तो लेना चाहते हैं, लेकिन उनके संस्कार और बरसात (अनुशासन) नहीं लेना चाहते। माता–पिता का सम्मान केवल संपत्ति और सत्ता के लिए नहीं, बल्कि उनके त्याग और मूल्यों के लिए होना चाहिए।

उन्होंने रामचरितमानस के प्रसंगों के माध्यम से माता कैकेयी, श्रीराम के संवाद, बनवास और राजसत्ता के गूढ़ अर्थ को समझाते हुए जीवन में कर्तव्य और मर्यादा का संदेश दिया।जगद्गुरु जी ने स्वर्गीय जेपी मिश्र के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने लगातार घोसी नगर पंचायत अध्यक्ष रहते हुए अपने व्यापार के माध्यम से समाज की सेवा की और लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया।उन्होंने कहा, "आपके किसी भी कार्य से यदि किसी के चेहरे पर प्रसन्नता आ जाए, वही सच्चा धर्म है।" साथ ही यह भी कहा कि जिस दिन कोई पुत्र अपने पिता की पुण्य तिथि को पर्व के रूप में मनाने लगे, समझिए भारत पुनः परम वैभव को प्राप्त कर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर हो गया है।

'जेपी फाउंडेशन के संस्थापक और स्वर्गीय जय प्रकाश मिश्र के बेटे शैलेन्द्र मिश्र ने माता–पिता और कुटुंब के महत्व



पर प्रकाश डालते हुए कहा' कि भारतीय संस्कृति में पितृ ऋण सर्वोपरि है और परिवार ही समाज की पहली पाठशाला है। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय जेपी मिश्र ने जीवन भर सादगी, परिश्रम और समाज सेवा को अपना धर्म माना। उन्होंने कहा कि पिताजी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है और उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शैलेन्द्र मिश्र ने कहा कि पितृ पर्व के रूप में जयंती और पुण्यतिथि मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को माता–पिता के सम्मान, कर्तव्यबोध और भारतीय संस्कारों से जोड़ना है। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सहभागिता से ही ऐसे मूल्यपरक आयोजन सफल होते हैं।

'जेपी मिश्र के बेटे अभिषेक मिश्र ने कहा कि उनके पिता ने हमेशा समाज, परिवार और संस्कारों को सर्वोच्च' प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि "पिताजी ने हमें सिखाया कि जीवन में सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है संवेदनशीलता और सेवा भाव। आज उनकी जयंती और पुण्यतिथि को पितृ पर्व के रूप में मनाना हमारे लिए केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प है। अभिषेक मिश्र ने आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों, साधु–संतों और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन आने वाली पीढ़ी को अपने मूल्यों और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

'स्वर्गीय जेपी मिश्र की पुत्री, प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. अलका प्रकाश के काव्य संग्रह "आलंग्य है प्रेम" का विमोचन' भी किया गया। उन्होंने कहा कि यह काव्य संग्रह प्रेम, संवेदना और मानवीय मूल्यों की अभिव्यक्ति है, जिसकी प्रेरणा उन्हें अपने पिता से मिले संस्कारों और जीवन–दृष्टि से प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उनके पिता का स्नेह, अनुशासन और नैतिक बल ही उनकी रचनात्मक यात्रा का आधार रहा है। डॉ. अलका प्रकाश ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा कि पितृ पर्व के रूप में जयंती और पुण्यतिथि मनाया जाना केवल पारिवारिक स्मरण नहीं, बल्कि समाज को संस्कारों से जोड़ने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने आयोजन के लिए जेपी फाउंडेशन और सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन श्रद्धांजलि, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संदेश के साथ हुआ।

इस दौरान पूर्व विधायक उमेश चंद पाण्डेय, बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे, पतंजलि के पूर्वांचल प्रभारी बृज मोहन जी, सुनील गुप्त, फागू सिंह, ब्राह्मण विकास परिषद के अध्यक्ष ऋषिकेश पाण्डेय, विजय शंकर त्रिपाठी वरिष्ठ अधिवक्ता कालिकदत्त पाण्डेय, एडवोकेट सतीश कुमार पाण्डेय पाण्डेय, एडवोकेट उमाशंकर उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# 27 करोड़ की लागत से बनने जा रहे बहुआयामी ऑडिटोरियम का मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया स्थल निरीक्षण

मुज़फ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विकासोन्मुख एवं



जनकल्याणकारी नीतियों के क्रम में मुज़फ्फरनगर को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। अपनी विधानसभा मुज़फ्फरनगर क्षेत्र के अंतर्गत महावीर चौक स्थित राजकीय इंटर कॉलेज (जी.आई.सी.) परिसर में लाइब्रेरी के समीप लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित अत्याधुनिक बहुआयामी ऑडिटोरियम के शिलान्यास से पूर्व आज उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल ने परियोजना स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ परियोजना की समग्र रूपरेखा, भवन संरचना, आधुनिक तकनीकी सुविधाओं, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, अग्नि एवं सुरक्षा मानकों तथा निर्माण की समयसीमा पर गंभीर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों, पूर्ण पारदर्शिता तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि–

"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर जिले को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए संतुलित विकास की दिशा में कार्य कर रही है। मुज़फ्फरनगर में प्रस्तावित यह बहुआयामी ऑडिटोरियम शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। यह परियोजना हमारे विद्यार्थियों, युवाओं, कलाकारों और सामाजिक संगठनों को एक आधुनिक मंच उपलब्ध कराएगी। योगी सरकार का संकल्प है कि विकास केवल राजधानी तक सीमित न रहे, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद तक पहुंचे।"

उन्होंने आगे कहा कि यह ऑडिटोरियम आधुनिक उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसे समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाएगा।

प्रस्तावित बहुआयामी ऑडिटोरियम में अत्याधुनिक ऑडियो–विजुअल सिस्टम, उच्च स्तरीय ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बैठने की क्षमता तथा बहुउपयोगी मंच जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं बौद्धिक गतिविधियों को नया आयाम देने के साथ–साथ मुज़फ्फरनगर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करेगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, भाजपा नेता जितेन्द्र कुच्छल, नवनीत कुच्छल, विपुल भटनागर, कैप्टन प्रवीण, डॉ. जीत सिंह तोमर, वी.सी. एम.डी.ए. कविता मीणा, सी.डी.ओ. कमल किशोर, सचिव कुंवर बहादुर सिंह, एक्सईएन विनीत अग्रवाल, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी अनिल कुमार राणा, एई ड़ी.के. तोमर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# बैंड–बाजा–बरात : आज से बजेगी शहनाई...

## एक फरवरी को शुक्र ग्रह के उदय के बाद शुरू हो रही सहालग

लखनऊ, (संवाददाता)। 52 दिन से अस्त चल रहे शुक्र का उदय एक फरवरी को हो चुका है। अब चार फरवरी से शादी–ब्याह और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होने जा रही है। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि विवाह के लिए शुभ लग्न पांच फरवरी से ही शुरू हो रहे हैं। राजधानी में चार फरवरी को भी कई जगह शादियां हैं। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, विवाह के लिए गुरु और शुक्र ग्रह का उदय रहना आवश्यक है। 12 दिसंबर से शुक्र 52 दिन के लिए अस्त चल रहे थे। इस कारण मकर संक्रांति के बाद विवाह कार्य स्थगित थे। अब पांच फरवरी से विवाह आदि मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। इस दौरान विवाह संस्कार, वर–वधु मिलन और मंगल कार्यों के लिए ग्रह–योग अत्यंत शुभ माने गए हैं।

## उत्सव प्रेम प्रसंग का

(छप्पय)

मधुर हुए संबंध हवाएँ मीठी लगतीं।
रंग और स्पर्श कहानी अपनी कहतीं।
रूप और संवाद फूल–सी खुशबू भरकर।
महकाते हैं शब्द  शब्द की गरिमा बनकर।
उत्सव प्रेम प्रसंग का  वासन्तिक यह खेल है।
अंतस में जिसके सदा, सुखद सुहाना मेल है।।

बहती मस्त बयार  गुनगुना मौसम आया।
मनमथ का यह रूप  सभी के मन को भाया।
खुशहाली की भोर  सुनाती प्रेम कहानी।
संध्या भी हो मस्त श्याम की बनी दिवानी।
हँसी–ठिठोली व्यंग यह  जीवन  है रसरंग का।
बहुरंगी किस्सा यही, हिस्सा है सत्संग का।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## मेरे बाबा

जो सबको खुशियां बांटने वाले हैं ,वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जो किसी भी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कुराहट ला सकते हैं ,वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जो अपकारी पर भी उपकार करते हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा है ।

जो शत्रु के साथ भी मित्रता निभाते हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा है ।

जो ग्लानी करने वाले को भी दुआएं देते हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा है ।

जो स्वयं चाहे कितनी भी समस्याओं में घिरे हो फिर भी दूसरों की मदद के लिए दौड़कर जाते हैं , वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जो अपनी थकान, कमजोरी, उमर को भी पीछे छोड़ सदा कार्यरत रहते, उमंग उत्साह में रहते हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा हैं ।

जो अपने मित्रों , स्नेहियों और अपने विद्यार्थियों के लाडले हैं, चहिते हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जो किसी भी क्षेत्र की सेवा के लिए सदा तत्पर हैं , वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

दिल खोल के बातें करना जिन्हें बहुत पसंद है, वो फरिश्ता मेरे बाबा है ।संसार में रहते हुए भी जो संसार से न्यारे हैं, वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

कविताएं लेख आदि लिखना ,निसर्ग चित्र बनाना शौक है जिनका, वो फरिश्ता मेरे बाबा है ।

जिनके तीखे इन्जेकशन से मुर्छित में भी प्राण भर जाए, वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जो ज़मीन पर रहते हुए भी सदा आत्मिक और ऊंची स्थिति में रहते हैं, वह फरिश्ता मेरे बाबा है।

काशी विश्वनाथ, संगम, गंगा स्नान, तिर्थाटन, प्रवास से बेहद प्यार है जिनको, वो फरिश्ता मेरे बाबा है।

जिनकी महिमा चाहे कितनी भी करूं कम ही पड़ेगी वह फरिश्ता मेरे बाबा है।

इन फरिश्ते की पुत्री
स्नेहल कुलकर्णी

## माइम नाटक महिला सशक्तिकरण का भावपूर्ण शानदार मंचन संपन्न

प्रयागराज। अभिनव, प्रयागराज द्वारा इनर व्हील ऑफ़ इलाहाबाद के अर्णिमा (पहली किरणदृएदृउम्मीद) कैंसर चौरिटी कार्यक्रम के अंतर्गत मेहता प्रेक्षागृह, प्रयाग संगीत समिति में माइम नाटक महिला सशक्तिकरण का अत्यंत भावप्रवण मंचन किया गया।

मशहूर माइम निर्देशक मोइनुल हक़ के निर्देशन में प्रस्तुत इस मूक नाटक ने माँ–बेटी के संघर्ष, साहस और सपनों की कथा को बिना संवाद के प्रभावी ढंग से मंच पर उतारा। माँ की भूमिका में



सरगम लता, किशोरी बेटी के रूप में समृद्धि तथा युवा बेटी बनी संस्कृति का अभिनय दर्शकों के दिलों को छू गया।

शराबी पति के किरदार में आदित्य सिंह और धनाढ्य व्यक्ति की भूमिका में गुरुविन्दर सिंह ने सशक्त व प्रभावी प्रस्तुति दी।

आईपीएस बनी बेटी द्वारा माँ को दी गई सलामी पर पूरा प्रेक्षागृह तालियों से गूंज उठा।अभिनव संस्था के मशहूर निर्देशक शैलेश श्रीवास्तव एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि माइम प्रस्तुति नाट्क विधा की सबसे प्राचीन एवं प्रभावशाली सशक्त विधा है, जो विलुप्ति के कगार पर है, इस विधा के पुनरोद्धार के लिए संस्था निरंतर प्रयासरत है।


**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना सं.:- 10820252026 दिनांक: 03.02.2026

**ई-रेफ्हरिंग निविदा सूचना**

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 27.02.2026 को 13:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

| | |
|---|---|
| निविदा नं.: 249 | जेम बिड नं.: GEM/2026/B/7183394 Dated 03.02.2026 |
| कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के एस.एस.ई./वर्क्स (प्रभारी) चुनार एस.एस.ई./वर्क्स (प्रभारी) चुर्क एवं एस.एस.ई./वर्क्स (प्रभारी) मिर्जापुर के लिये 01 टन क्षमता के 03 आपातकालीन सड़क उपयोगिता वाहनों को 24 महीने के लिए किराए पर लेने का प्रावधान। | |
| अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 25,95,816/- | बयाने की रकम (₹) : ₹ 51,920/- |
| कार्य समापन की अवधि: 24 महीने | निविदा खुलने की तिथि: 27.02.2026 |
| सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: निल | |

नोट: (1) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 238/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

# सम्पादकीय.....

## अमरीका में भारतीयों के बुरे दिन

2023 में अमरीका के कोलेरेडो विश्वविद्यालय में एक दम्पति, आदित्य प्रकाश और उर्मि भट्टाचार्य पीएच.डी. कर रहे थे। वे वहां अपना लंच ओवन में गर्म कर रहे थे। खाने में पालक–पनीर था। लेकिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें खाना गर्म करने से रोक दिया। उनका कहना था कि इसमें से बदबू आ रही है, इसलिए इसे यहां गर्म नहीं किया जा सकता। यह भी कि हम तो यहां ब्रोकली भी गर्म नहीं करने देते। इस बात की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन से की गई। उर्मि वहां शिक्षिका भी थीं। उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। दोनों को पीएच.डी. की डिग्री भी नहीं दी गई। तब इन दोनों ने न्यायालय में शिकायत की कि मामूली–सी बात को इतना बड़ा बना दिया गया। उन्हें तरह–तरह से तंग किया गया और डिग्री भी नहीं मिली। अदालत ने प्रशासन को आदेश दिया कि इस दम्पति को दो लाख डालर मुआवजे के रूप में दे। उनकी पीएच.डी. की डिग्री भी दी गई। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने हमेशा के लिए अपने यहां उन्हें बैन कर दिया। जिस मामले में इन दोनों का कोई दोष नहीं था, उसके लिए इन्हें इस तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ा। याद रहे कि यह ट्रम्प के दोबारा सत्ता में आने से पहले की बात है। इन दिनों वहां प्रशासन लगातार भारतीयों पर हमलावर है। कहा जा रहा है कि नौकरियां सिर्फ अमरीकी लोगों को ही दी जाएं। इनमें भी बिना कहे गोरों को प्राथमिकता दी जाए। पिछले दिनों टैक्सास विश्वविद्यालय में भी ऐसी ही गाइडलाइंस भेजी गईं। अब तक लोग समझ रहे थे कि एच1 बी वीजा के शिकार सिर्फ आई.टी. सैक्टर के लोग ही बनेंगे, मगर अब यूनिवर्सिटीज भी इससे नहीं बच रहीं। जिस अमरीका ने पूरी दुनिया को अस्मिता मूलक विमर्श के चश्मे से देखने की आदत डाल दी, अब वही इससे पांव खींच रहा है। वे इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं कि यदि अमरीका में लोग इतने ही मेहनती होते, तो बाहर के लोगों को बुलाने की जरूरत ही क्यों पड़ती। कुछ समय पहले बिल गेट्स ने कहा था कि अगर हम भारतीयों को रोकेंगे, तो वे अपना गूगल खुद बना लेंगे। लेकिन नफरती नेताओं को यह बात भला क्यों समझ में आने लगी। प्रशासन की शह पाकर इन दिनों अमरीका में भारतीयों के खिलाफ लगातार घृणा फैलाई जा रही है। उन पर हमले बोले जा रहे हैं। पीछा किया जा रहा है। बच्चों को स्कूलों में परेशान किया जा रहा है। लोग दीवाली मनाने की शिकायत कर रहे हैं। भारतीयों के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं कि अपने देश वापस जाओ। उनके बारे में तरह–तरह के दुष्प्रचार किए जा रहे हैं कि वे गोबर खाते हैं। गौ मूत्र पीते हैं। वे अमरीका को बर्बाद करने के लिए आए हैं। यह कोई नई बात नहीं है। कई साल पहले पोलैंड में घूमते एक भारतीय को एक अमरीकी ने रोककर कहा था कि तुम यहां भी आ पहुंचे। अपने देश वापस जाओ। दरअसल जब सरकारों के पास अपने वोटरों को देने के लिए कुछ नहीं होता, तो वे वैमनस्य के विचारों और नारों को हवा देती हैं। लोगों को एक–दूसरे से लड़वाकर नेता चांदी काटते हैं।

जोहरान ममदानी जब न्यूयार्क के मेयर का चुनाव जीते, उस समय यह लेखिका न्यूयार्क में ही थी। जिस वर्ल्ड ट्रेड सैंटर को 9/11 को तोड़ा गया था, वह अब दोबारा बन गया है। उसके नीचे खड़ी यही सोच रही थी कि इसे तोडने में आप्रवासियों का ही हाथ बताया गया था लेकिन अब क्या हुआ कि ममदानी के खिलाफ लगातार दिए बयानों के बावजूद, वह जीत गए। ध्यान से देखें, तो न्यूयार्क में बाहर से आए लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। पिछले दिनों जिस तरह से आप्रवासियों को निशाना बनाया गया, इससे उनमें असुरक्षा की भावना बढ़ी। उन्हें लगा कि ममदानी उनके पक्ष में लगातार बोलते हैं, उनकी समस्याओं को उठाते हैं, इसलिए उन्हें जिता दिया। अमरीका, अमरीकी लोगों के लिए ही है, यह बात तो ठीक है, लेकिन खुद अमरीका के गोरे वहां के मूल निवासी नहीं हैं। वे भी बाहर से आए और उन्होंने वहां के मूल निवासियों को तहस–नहस कर दिया। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का जो नारा दिया गया है, अर्से से भारतीय उसी में योगदान दे रहे हैं। सिलिकॉन वैली को सफल बनाने में भारतीयों का ही बड़ा हाथ है। भारतीय डाक्टरों को अमरीका में बहुत पसंद किया जाता है, क्योंकि उनके बारे में माना जाता है कि वे मरीजों की बात सुनते हैं, उन्हें ढांढस भी बंधाते हैं। जबकि अमरीका में आम डाक्टर का 3 महीने से पहले टाइम भी मिलना मुश्किल होता है। अस्पताल में जाना पड़े, तो बहुत देर बाद ही चिकित्सकीय सहायता मिल पाती है। इन सब बातों को देखकर सत्तर के दशक की याद आती है। जब युगांडा के राष्ट्रपति ईदी अमीन ने पीढियों से रह रहे भारतीयों को वहां से खदेड़ा था। उनके बैंक अकाऊंट भी फ्रीज कर दिए गए थे। उस समय ईदी अमीन के अत्याचार बहुत सुर्खियां भी बने थे। अमरीका एक उदार देश रहा है।

# तमिलनाडु का राजनीतिक परिदृश्य अभी धुंधला

कल्याणी शंकर

जैसे–जैसे तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, मुख्य राजनीतिक दलों में 2 गठबंधन प्रमुख हैं–कांग्रेस और वाम दलों के साथ सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन और अन्नाद्रमुक गठबंधन। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्रमुक का नेतृत्व करना और इस गठबंधन को बनाए रखना जारी रखे हुए हैं। जे. जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। यह आंतरिक संघर्षों का सामना कर रही है, जो इसकी स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। इस बीच, टी.टी.वी. दिनाकरण, ओ. पनीरसेल्वम और शशिकला के निष्कासन इन मुद्दों को उजागर और अन्नाद्रमुक को प्रभावित करते हैं। वहीं, अभिनेता विजय द्वारा शुरू की गई नई राजनीतिक पार्टियों पर सबका ध्यान जा रहा है। 2004 से सहयोगी होने के बावजूद, कांग्रेस और द्रमुक के बीच संबंधों में हाल ही में कुछ उतार–चढ़ाव देखे गए हैं। अब, 2026 के चुनावों से पहले, कांग्रेस ने सत्ता में हिस्सेदारी की मांग की है, जो उन आंतरिक संघर्षों को उजागर करती है, जो उनकी रणनीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। ओ. पनीरसेल्वम को अभी तक ऐसी कोई पार्टी नहीं मिली, जो उन्हें स्वीकार करे। द्रमुक कभी भी सत्ता सांझी करने (पावर–शेयरिंग) पर सहमत नहीं हुई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और द्रमुक नेता कनिमोझी ने बुधवार को 10 जनपथ पर आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव तथा उनकी गठबंधन राजनीति पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की लेकिन सीट बंटवारे पर कोई समझौता नहीं हो सका। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करते हुए कहा, ''हम सत्ता में हिस्सेदारी के लिए लडना जारी रखेंगे और हम इसे हासिल करेंगे।'' यह कांग्रेस नेताओं के संकल्प को दर्शाता है। राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते द्रमुक नेता कनिमोझी के साथ बैठक के दौरान भी यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, द्रमुक ने इस विचार को खारिज कर दिया है। द्रमुक ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह कांग्रेस को कैबिनेट सीट नहीं देगी। हालांकि, इसने गठबंधन जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। द्रमुक कांग्रेस को मनाने के लिए राज्यसभा सीट की पेशकश कर रही है। फिर भी, कांग्रेस को बेहतर की उम्मीद है। गठबंधन में अधिक सीटों और शक्ति के लिए पार्टी की मांगें स्थिरता के महत्व और चुनाव परिणामों को आकार देने में गठबंधनों की भूमिका को रेखांकित करती हैं। द्रविड़ पार्टियां अक्सर वोटों के लिए छोटे सहयोगियों पर निर्भर रहती हैं लेकिन सत्ता सांझी करने का विरोध करती हैं। उदाहरण के लिए, पिछले जून में, अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा था कि कोई सत्ता–सांझाकरण समझौता नहीं होगा, उनका तर्क था कि गठबंधन सरकारें तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने एकल–पार्टी शासन के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। एन.डी.ए. की सीट–सांझाकरण योजना नए विचारों की खोज से हटकर उन्हें लागू करने की दिशा में बदलाव दिखाती है। रणनीति में बदलाव करते हुए, एन.डी.ए. अब केवल विस्तार करने की बजाय अधिक सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। एन.डी.ए. द्रमुक विरोधी वोट हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें अन्नाद्रमुक मुख्य पार्टी और भाजपा प्रमुख समर्थक के रूप में होगी। एन.डी.ए. ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी संभावनाओं में सुधार किया है। सीटें जीतना उम्मीदवारों के चयन, उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता एवं बूथ रणनीति पर निर्भर करता है। अन्नाद्रमुक नेता ई. पलानीस्वामी ने पार्टी एकता के महत्व पर जोर देते हुए ओ. पनीरसेल्वम और टी.टी.वी. दिनाकरण को अस्वीकार करना जारी रखा है। ओ.पी.एस. एन.डी.ए. में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं, चाहे वह ए.एम.एम.के. के माध्यम से हो या अन्नाद्रमुक में लौटकर। मुख्य सवाल यह है कि क्या अन्नाद्रमुक ओ.पी.एस. का वापस स्वागत करेगी या उन्हें किनारे कर देगी और क्या राजनीतिक स्थिरता और प्रासंगिकता को लेकर चिंताएं हैं? एक अन्य दिलचस्प पहलू यह है कि लोकप्रिय अभिनेता विजय ने 2024 में अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेत्री कडगम (टी.वी.के.) लॉन्च की और उसके तुरंत बाद घोषणा की कि वह राजनीति में पूर्णकालिक रूप से आने के लिए फिल्मों से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा कि इस महीने आने वाली उनकी फिल्म 'जन नायकन' उनकी विदाई रिलीज होगी। 51 साल की उम्र में, यह सितारा एक सफल फिल्मी करियर से पीछे हट रहा है, जिसे छोडने में कई अभिनेता संकोच करेंगे। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बने हुए हैं। वह त्यौहारों पर फिल्मों की रिलीज को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और सैटेलाइट अधिकारों, संगीत और मर्चेंडाइज के माध्यम से वैश्विक तमिल समुदाय के लिए राजस्व उत्पन्न करते हैं। विजय की पार्टी आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में स्थापित दलों, द्रमुक और अन्नाद्रमुक के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। उनकी पार्टी का लक्ष्य द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों को चुनौती देना और अकेले चुनाव लडने की योजना है। विजय का एक बड़ा प्रशंसक आधार है। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात की थी लेकिन वे किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। कमल हासन एक प्रसिद्ध अभिनेता और राजनीतिक दल 'मक्कल निधि मय्यम' के नेता हैं। वह स्वतंत्र अभियानों से हटकर द्रमुक के साथ जुड़कर तमिलनाडु में अपनी राजनीतिक उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। 2025–2026 तक, वह राज्यसभा के सदस्य हैं, जो जून 2025 में चुने गए थे। वह मध्यमार्गी, भ्रष्टाचार विरोधी राजनीति पर ध्यान केंद्रित करते हैं और द्रमुक के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी हैं, विशेष रूप से 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले। इस राज्य में कई फिल्मी सितारे राजनेता बने हैं। एम.जी.आर. के नाम से जाने जाते एम.जी. रामचंद्रन और जयललिता का राजनीतिक करियर बहुत सफल रहा। इससे पहले, सी.एन. अन्नादुराई और एम. करुणानिधि उल्लेखनीय हस्तियां थे। वे दोनों मुख्यमंत्री भी बने। रजनीकांत, कमल हासन, खुशबू और विजयकांत जैसे अन्य अभिनेताओं ने भी राजनीति में हाथ आजमाया लेकिन उनकी सफलता मिश्रित रही। स्टालिन ने गठबंधन की आवश्यकता को महसूस किया है और वह द्रमुक को गठबंधन में बनाए रखने का समर्थन करते हैं। कांग्रेस के कुछ नेता चाहते हैं कि उनकी पार्टी विजय की पार्टी में शामिल हो जाए लेकिन विजय की पार्टी अभी तक परखी नहीं गई है। तमिलनाडु का राजनीतिक परिदृश्य अभी भी धुंधला है और स्थिति स्पष्ट होने से पहले कुछ और दिनों का इंतजार करना होगा। लेकिन तमिलनाडु में चर्चा यह है कि द्रमुक गठबंधन की वापसी हो सकती है।

# कमजोरों के लिए खतरनाक रसूखदार लोग

अमेरिका के कुख्यात नाबालिग लड़कियों के यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी लाखों फाइलें अमेरिकी न्याय विभाग ने जारी की हैं। शुक्रवार को 30 लाख पेज, एक लाख 80 हजार तस्वीरें और दो हजार वीडियो सार्वजनिक रूप से पोस्ट किए गए। इन नए खुलासों में ऐसे घिनौने और भयानक अपराध सामने आए हैं, जिन्हें देखकर साधारण इंसान की रूह कांप जाए। ज्यादा डरावनी बात ये है कि एपस्टीन के साथ दुनिया भर के ऐसे नामी–गिरामी और रसूखदार लोगों के नाम जुड़े हैं, जो खुद को लोकतंत्र, उदारवाद, मानवाधिकारों के पैरोकार के तौर पर प्रस्तुत करते हैं। मगर हकीकत में वे कमजोर लड़कियों और बच्चों पर पैशाचिक अत्याचार करते हैं। सोशल मीडिया पर 2009 का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गैब्रिएला रिको जिमेनेज नाम की मैक्सिकन मॉडल मैक्सिको के मॉन्टेरी में फिएस्टा के बाहर खड़ी होकर चिल्ला–चिल्लाकर बता रही है कि वह जैफ्री एपस्टिन से जुड़े एक मॉडलिंग आयोजन में गई थी जहां दुनियाभर के नेता और बिजनेसमैन पार्टी कर रहे थे और वो लोग श्बच्चों के मांसश खा रहे थे। संभवतरू यह पहली बार था जब किसी ने एपिस्टन या उसके निजी द्वीपों पर हो रहे बच्चियों के बलात्कार और हत्या के आरोप लगाए थे। लेकिन पुलिस ने इस लड़की को मनोरोग का शिकार बताकर गिरफ्तार कर लिया गया और फिर यह लड़की कभी नहीं दिखी। अब उस घटना के 17 साल बाद एपिस्टीन फाइलें जारी हुई तो पता चला यह लड़की जो कुछ बोल रही थी, वो पागलपन नहीं था। बल्कि उसमें काफी हद तक हकीकत भी थी। क्योंकि अब एपस्टीन और उनके तथाकथित बड़े ग्राहकों का शिकार कुछ लड़कियों ने सामने आकर हकीकत बयां की हैं। किसी ने बताया कि 10 साल की अबोध उम्र में उनके साथ दिन में तीन–तीन बार बलात्कार हुआ, तो किसी ने बताया कि कैसे पार्टियों के बहाने अमीर लोगों के सामने उन्हें पेश किया गया। बिल गेट्स की पत्नी रही मेलिंडा गेट्स ने भी एक साक्षात्कार में बताया है कि उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आता था कि बिल गेट्स एपस्टीन से मिलते थे। खुद मेलिंगा गेट्स केवल एक बार एपस्टीन से मिलीं और उन्हें काफी अफसोस हुआ कि उन्होंने यह मुलाकात की। मेलिंडा गेट्स ने एपस्टीन को घृणित और बुराई का साक्षात रूप बताया और कहा कि उस मुलाकात के बाद उन्हें बुरे सपने आते थे। बिल गेट्स से उनके तलाक के कारणों में एक वजह एपस्टीन से बिल गेट्स के संबंध भी थे। न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टिन फाइलों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र भी सैकड़ों बार किया गया है। ट्रंप की एपस्टीन से दोस्ती थी। लेकिन ट्रंप कहते हैं कि यह कई साल पहले खराब हो गई थी और उन्होंने एपस्टीन के यौन अपराधों के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के भी कई पुराने वीडियो आए हैं, जो नैतिकता के मापदंड पर खरे नहीं उतरते हैं। अब भले ही एपस्टिन से उनकी दोस्ती बरसों पहले खराब हो चुकी हो, लेकिन बेहतर यही होता कि ट्रंप अपने पद से इस्तीफा देकर खुद को निर्दोष साबित करने के लिए निष्पक्ष जांच का मौका दें। ध्यान रहे कि 10 अगस्त 2019 को एपस्टिन की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी और इसमें हत्या की साजिश देखी जा रही है। क्योंकि एपस्टिन अगर दोषी पाया जाता तो उससे जुड़े कई बड़े नामों पर भी आंच आ सकती थी। अभी के खुलासे के बाद भी कुछ बड़ी हस्तियों ने या तो माफी मांगी है या अपने पद से इस्तीफा दिया है। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे–मैरिट ने एपस्टीन के साथ अपनी शर्मनाकश दोस्ती के लिए माफी मांगी है। नॉर्वे की प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने भी कहा है कि क्राउन प्रिंसेस ने गलत जजमेंट किया था। वहीं किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू का नाम भी आया तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उन्हें अमेरिकी न्याय विभाग में गवाही देने आना चाहिए। स्लोवाकिया सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने एप्सटीन से अपने संबंधों के सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया है। पीटर मैंडेलसन को पिछले साल एपस्टीन के साथ संबंधों के कारण वाशिंगटन में ब्रिटिश राजदूत के पद से हटा दिया गया था। अब उन्होंने रविवार को लेबर पार्टी छोड़ दी। अमेरिकी न्याय विभाग की फाइलों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम भी आया है। जिसमें बताया गया है कि जेफ्री एपस्टीन ने 9 जुलाई 2017 को एक मेल में लिखा...भारतीय पीएम मोदी ने सलाह ली और अमेरिकी राष्ट्रपति के फायदे के लिए इजराइल में डांस किया और गाया। वो कुछ हफ्ते पहले मिले थे। ये काम कर गया। इसी पर अब कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं कि– श्याद रहे– पीएम मोदी 4 से 6 जुलाई 2017 के बीच इजराइल दौरे पर थे। इसके तीन दिन बाद एपस्टीन ने यह मेल लिखा है। इजराइल दौरे से ठीक पहले 25–26 जून 2017 को मोदी, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले थे। जेफ्री एपस्टीन के मेल की कड़ियों को जोड़ें तो समझ आता है कि मोदी, जून 2017 में अमेरिका गए और वहां एपस्टीन से सलाह ली। इसके एक हफ्ते बाद (4 से 6 जुलाई 2017) मोदी इजराइल पहुंचे और सलाह के मुताबिक– वहां नाचे और गाए और काम हो गया। अब साफ है कि प्रधानमंत्री मोदी का जेफ्री एपस्टीन से बहुत ही गहरा और पुराना नाता है, जो भारत के लिए शर्मनाक है।

## रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

भारत की इस भूमि पर, वर्ण बने थे चार।
वेदों में उल्लेख है, आपस में था प्यार।।
आपस में था प्यार, सभी मिलजुल कर रहते।
अपने करते कर्म, नहीं वह कुछ भी कहते ।।
कहती रचना आज, सनातन हो अब जाग्रत।
मन भेदो को छोड, एक अब हो जा भारत।।

जोड़ो मत इस देश को, भेद-भाव के साथ।
सभी सनातन एक है, पकड़ो सब मिल हाथ।
पकड़ो सब मिल हाथ, बँटे मत भारत अपना।
पूरा होगा आज, सनातन का यह सपना।।
कहती रचना आज, नहीं भारत को तोड़ो।
यहीं एकता आज, शक्ति है भारत जोड़ो।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

# भ्रष्टाचार पर योगी का प्रहार

सरकार और शासन में कभी–कभी कठोर कदम उठाना बहुत जरूरी हो जाता है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ यह बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। उनकी सरकार का बुलडोजर सिर्फ अपराधियों पर ही नहीं चलता बल्कि भ्रष्टाचारियों को भी जमींदोज कर देता है अभी 2 फरवरी को योगी सरकार ने भ्रष्टचार उन्मूलन की जीरो टालरेंस नीति के तहत प्रदेश के 68 हजार राज्य कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है। इनका वेतन इसलिए रोका गया कि सरकार की पारदर्शिता नीति पर इन्होंने अमल नहीं किया। सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों से 31 जनवरी तक अपनी–अपनी सम्पत्ति का ब्योरा मांगा था। सरकार के इस आदेश को नजरंदाज करने वाले 68 हजार से अधिक सरकारी कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया। सरकारी कर्मचारी अपनी चल–अचल सम्पत्ति का ब्योरा दें, इससे जनता के बीच अच्छा संदेश भी जाएगा और भ्रष्टाचार की संभावना कम होगी। सरकार इस तरह के मामलों में कभी–कभी असहज हो जाती है। अभी पिछले दिने दिनों बुंदेलखंड के एक विधायक ने कई ग्राम प्रधानों के साथ मंत्री के काफिले को रोका और आरोप लगाया कि जीवन मिशन स्कीम में घोटाला हुआ है। इस तरह के आरोप सरकारी कर्मचारियों की निष्ठा पर सवाल खड़े करते हैं।

सवाल यूं ही नहीं उठते। पारदर्शिता का अभाव है। यूपी के 68,236 राज्यकर्मियों का जनवरी 2026 का वेतन रोक दिया गया है। वेतन रोकने की वजह ये है कि इन कर्मचारियों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। यूपी में 8,66,261 राज्य कर्मचारी हैं। योगी सरकार ने सभी राज्य कर्मचारियों को 31 जनवरी तक अपनी चल–अचल संपत्ति का ब्यौरा देने के आदेश दिए थे। कर्मचारियों को ये ब्यौरा मानव संविदा पोर्टल पर 31 जनवरी तक अपलोड करना था, लेकिन 68,236 कर्मचारियों ने संपत्ति न बताने वाले सबसे ज्यादा 34,926 कर्मचारी तृतीय श्रेणी के हैं। इसमें 22,624 राज्यकर्मी चतुर्थ श्रेणी, 724 द्वितीय श्रेणी और 2628 प्रथम श्रेणी के कर्मचारी हैं। गौरतलब है कि योगी सरकार को भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरी टॉलरेंस की नीति अपनाने के लिए जाना जाता है। सीएम योगी खुद भी बहुत सादा जीवन जीते हैं और उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाईयां की हैं। इसमें बुलडोजर वाली कार्रवाई सबसे अहम है। इसीलिए उन्हें बुलडोजर बाबा भी कहा जाता है। योगी सरकार का संदेश साफ है कि जब तक राज्य कर्मचारी अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं देते, तब तक उनका वेतन रिलीज नहीं किया जाएगा। योगी सरकार के इस फैसले से राज्य कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया है। जानकारों द्वारा कहा ये भी जा रहा है कि सरकार द्वारा वेतन रोकना अंतिम कार्रवाई नहीं है। अगर जल्द ही राज्य कर्मचारियों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा सरकार को नहीं दिया तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में जुटी है। इसी को लेकर सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों से संपत्ति का ब्यौरा मांगा था। कुछ ने ब्यौरा दे भी दिया, जबकि 68 हजार कर्मचारियों ने सरकार के इस आदेश पर गौर नहीं किया। इसीलिए योगी सरकार ने आदेश का उल्लंघन करने वाले करीब 68 हजार कर्मचारियों की सैलरी रोक दी है। सरकार का आदेश है कि जब तक ये कर्मचारी अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं देते हैं तब तक उन्हें सैलरी नहीं दी जाएगी। इससे पहले मुख्य सचिव के स्पष्ट आदेश पर सभी ने अपनी चल–अचल संपत्ति का ब्योरा 31 जनवरी तक नहीं दिया था। माना जा रहा है कि सभी कर्मचारी अब सरकार के एक्शन के बाद जल्द ही अपनी संपत्ति का ब्यौरा सरकार को दे देंगे। भ्रष्टाचार की शिकायत कर्मचारियों के खिलाफ भाजपा के विधायक भी करते हैं। उत्तर प्रदेश के चरखारी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ब्रजभूषण राजपूत का योगी सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को 30 जनवरी, 2026 को बीच सड़क पर रोकना राजनीतिक चर्चा का एक प्रमुख विषय बन गया है। दरअसल, भाजपा विधायक ब्रजभूषण राजपूत करीब 100 ग्राम प्रधानों और समर्थकों के साथ मंत्री से मिलने और जल जीवन मिशन योजना की खामियों को बताने पहुंचे थे। ऐसे में इस घटना के बाद विपक्षी दल के नेताओं ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तंज भी किया।

## ग़ज़ल

न सल्तनत न कोई तख़्त–ओ–ताज माँगा है
भड़कती भूख ने केवल अनाज माँगा है

ऐ मंदिरों के मस्जिदों के सियासतदानो
हर एक धर्म ने बेहतर समाज माँगा है

बहिन ने जब भी कलाई पे प्यार बाँधा है
बुरी नज़र से वफ़ा का लिहाज़ माँगा है

तसल्लियाँ ही नहीं सिर्फ़ वायदे भी नहीं
हमारे ज़र्फ़ ने कामिल इलाज़ माँगा है

तमाम फ़र्क भुलाओ गले से लग जाओ
जुनूने इश्क़ ने सीधा रिवाज माँगा है

– डॉ०अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग )
उत्तर प्रदेश

# इधर धुरंधर 2 का टीजर आउट, उधर मेकर्स की बढ़ी मुश्किलें, लोकेशन मैनेजर के खिलाफ हुई एफआईआर

> जानकारी के अनुसार, जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन फिल्म की शूटिंग चल रही थी। संजय दत्त समेत पूरी यूनिट उस लोकेशन पर मौजूद थी और यह शूटिंग शेड्यूल का तीसरा दिन था।

रणवीर सिंह की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर' के सीक्वल 'धुरंधर 2 द रिवेंज' को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट चरम पर है। 3 फरवरी 2026, मंगलवार को जैसे ही फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, सोशल मीडिया पर फिल्म चर्चा का बड़ा विषय बन गई। इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है, जिसने मेकर्स की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। 'धुरंधर 2' के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर 2' के लोकेशन मैनेजर रिंकू राजपाल वाल्मीकि के खिलाफ मुंबई में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि साउथ मुंबई के हाई–सिक्योरिटी फोर्ट इलाके में बिना जरूरी अनुमति के ड्रोन उड़ाया गया। इस मामले में 1 फरवरी 2026 को एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 223 के तहत केस दर्ज किया है, जिसमें अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन फिल्म की शूटिंग चल रही थी। संजय दत्त समेत पूरी यूनिट उस लोकेशन पर मौजूद थी और यह शूटिंग शेड्यूल का तीसरा दिन था। बताया जा रहा है कि 31 जनवरी को इस ऐतिहासिक इलाके को शूटिंग के लिए सजाया गया था, जिसे पाकिस्तान की पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह जैसा लुक दिया गया। इसी दौरान ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया और संबंधित विभागों से अनुमति भी नहीं ली गई। विवाद के बीच मेकर्स ने 'धुरंधर द रिवेंज' का दमदार टीजर रिलीज कर दिया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को हिंदी के साथ–साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है, जबकि इसे ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

## चेहरा पूरा टूट गया था, 45 टांके लगे, सर्जरी के लिए लेना पड़ा था लोन..अमाल मलिक का शॉकिंग खुलासा, बयां किया संघर्ष

सिंगर–कंपोजर अमाल मलिक हाल ही में सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 में नजर आए थे, जहां वो अक्सर चौंकाने वाले खुलासे करते नजर आते थे। पर्सनल लाइफ के अलावा अमाल ने शो में कई बार अपनी शारीरिक बीमारियों के बारे में भी बात की थी। वहीं, अब हाल ही में एक इंटरव्यू में फिर अमाल मलिक ने शॉकिंग खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनका पूरा चेहरा टूट गया था और सर्जरी के लिए उन्हें लोन लेना पड़ा था। हाल ही में एक बातचीत में अमाल मलिक ने बताया कि मेरी कुछ सर्जरी होनी बाकी हैं, मेरे घुटने का एसीएल टूटा हुआ है। जब मैं 19 साल का था तब मेरी पूरी चीकबोन टूट गई थी और उसे दोबारा बनाना पड़ा था। मेरे जबड़े के आसपास 45 टांके लगे हैं, मेरा दाहिना कंधा डिसलोकेटेड है, मेरा बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया है और मेरी नाक टूटी हुई है। मैं टर्मिनेटर जैसा हूं। मैं हर दिन उठता हूं और काम करता हूं। यह मेरी मानसिक ताकत है जो मुझे आगे बढ़ाती है। अमाल ने आगे कहा–अब, मुझे धीरे–धीरे इन चीजों को ठीक करना है और उन पर काम करना है। शुक्र है, अच्छे नी ब्रेस हैं जो मुझे शो में परफॉर्म करने में मदद करते हैं। एक समय था जब मेरा पूरा घुटना घूम जाता था और अपनी जगह से हट जाता था, यह बिग बॉस 19 के फिनाले परफॉर्मेंस के दौरान हुआ था, जब मैंने एक डांस सीक्वेंस में टर्न लिया था, और मेरे घुटने में दर्द हो गया था। कुछ फिजिकल चीजें हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है। उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे, अब मेरे पास समय नहीं है। सिंगर ने आगे बताया, "सर्जरी महंगी हो गई हैं, अपने चेहरे की सर्जरी करवाने के लिए, मुझे सिर्फ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के लिए 5 लाख रुपये का लोन लेना पड़ा था। मेरी दाहिनी तरफ की खोपड़ी टूट गई थी, और मैंने इस सब के बावजूद काम किया है। मेरे 12वीं के एग्जाम के दौरान, मेरा पूरा चेहरा टूट गया था, मैंने एक डिवाइस की मदद से 3–4 घंटे तक अपनी आंखें खुली रखीं और पेपर लिखे, मैंने सभी शारीरिक और भावनात्मक मुश्किलों का सामना किया है। मैं बस सब कुछ ठीक कर रहा हूं। मेरी 35 साल की उम्र बीत गई है, क्योंकि यह लड़ाई तब शुरू हुई थी जब मैं पांच साल का था।"

## मृणाल ठाकुर ने प्यार को बताया खूबसूरत एहसास, कहा- इस धरती पर हर किसी को..

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अक्सर एक्टर धनुष संग अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों एक–दूजे को डेट कर रहे हैं और जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि, धनुष के करीबी सूत्र ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया था। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में जब मृणाल से प्यार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बहुत ही खूबसूरत जवाब दिया। हाल ही में इंटरव्यू में प्यार की परिभाषा देते हुए मृणाल ठाकुर ने कहा कि उन्हें लगता है कि प्यार एक खूबसूरत एहसास है। इस धरती पर हर किसी को इसका अनुभव होना चाहिए। ये आपको बेहतर इंसान बनाता है। ये सचमुच एक री–पैरेंटिंग और अपने अंदर के बच्चे की समस्याओं को सुलझाने जैसा है। ये दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज है। आगे एक्ट्रेस ने कहा–मैं सच में प्रार्थना करती हूं और आशा करती हूं कि हर किसी को अपनी लाइफ में प्यार मिले। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या प्यार में डूबीं महिलाएं ज्यादा दयालु हो जाती हैं? तो उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। प्यार में सबसे जरूरी है उसे स्वीकार करना। कभी–कभी प्यार पाना और उसे स्वीकार करना बहुत मुश्किल हो जाता है। मृणाल ने कहा कि प्यार ही एकलौती स्थिर चीज है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे पाते हैं। एक प्रेमी होती है, एक प्रेमिका होती है। जब कोई प्यार में होता है तो वो देने वाला होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो महिला है या पुरुष। वो कहती हैं, जब प्यार होता है तो आप उस इंसान के लिए कुछ भी करते हैं। आप खुद को समर्पित कर देते हैं।



## पहली बार सफेद बालों और मूछों में नजर आए अनिल कपूर, सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी तस्वीर

जहां लोग अपनी बढ़ती उम्र में आने वाले सफेद बालों लेकर शर्मिंदा महसूस करते हैं, उन्हें हेयर कलर्स से छिपाते हैं। वहीं, बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर अपने ग्रे हेयर्स को लेकर खुलकर सामने आए हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक लेटेस्ट फोटो शेयर की हैं, जिसमें वह अपने सफेद बालों को पूरे स्टाइल और कॉन्फिडेंस से फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई। फैंस से लेकर सेलेब्स तक अब इस पर खूब रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं। 69 साल के अनिल कपूर अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह सफेद बालों और मूंछों के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनका अंदाज काफी गंभीर और इंटेंस दिख रहा है। इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "कोई नहीं जानता३ आगे क्या होने वाला है।" अनिल कपूर का यह ग्रे लुक देखते ही देखते सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अनिल कपूर के इस बदले हुए अंदाज पर फैंस की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। कई लोगों ने फायर और हार्ट इमोजी के जरिए उनके नए लुक को "झक्कास" बताया, तो कुछ फैंस इस ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर हैरान नजर आए। एक्टर दर्शन कुमार ने कमेंट करते हुए लिखा, "वाह, झक्कास।" वहीं सुधांशु पांडे, रितेश देशमुख और अनुपम खेर ने भी अनिल कपूर के इस लुक की सराहना की।

## पोते-पोतियों में भेदभाव विवाद पर चिरंजीवी के समर्थन में उतरीं बहू लावण्या, बोलीं- उन पर कमेंट न करें, जिन्हें....

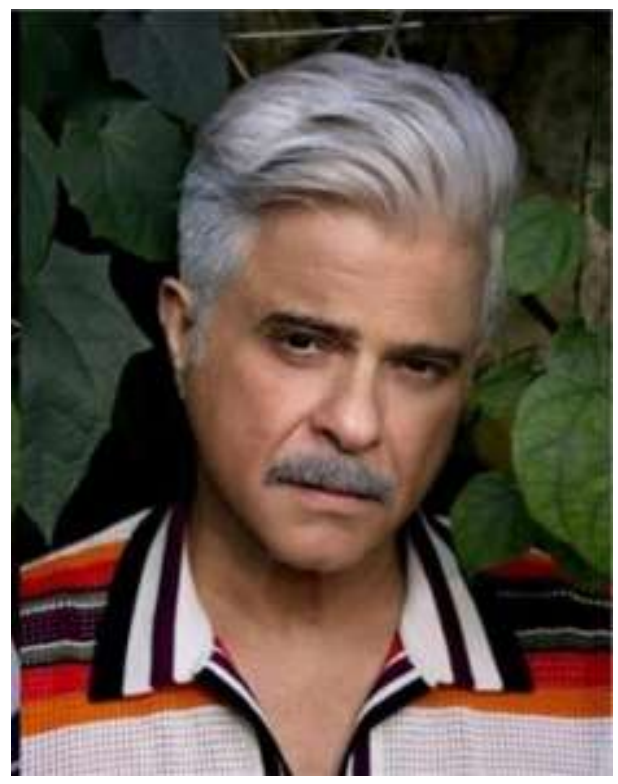





सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आरोप लगाया था कि चिरंजीवी अपने पोते–पोतियों में लड़कों को ज्यादा प्राथमिकता देते हैं। इस मामले में अब चिरंजीवी की बहू व अभिनेत्री लावण्या त्रिपाठी ने तेलुगु सुपरस्टार का समर्थन किया है। सोशल मीडिया पर आ रहे रिएक्शंस के बीच लावण्या ने खुलकर अपनी राय रखी और चिरंजीवी के पक्ष में बात की। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 31 जनवरी 2026 को राम चरण और उपासना के घर जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ– एक बेटा और एक बेटी। बच्चों के जन्म के बाद चिरंजीवी ने अस्पताल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को यह खुशखबरी दी। इसी बीच चिरंजीवी का एक पुराना बयान फिर से सुर्खियों में आया। जब उन्होंने कहा था कि उन्हें डर है, कहीं राम चरण के घर फिर से बेटी न हो जाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर लड़का–लड़की में भेदभाव को लेकर नई बहस शुरू हो गई। इसके बाद एक पोस्ट में चिरंजीवी को बेटे को ज्यादा पसंद करने को लेकर निशाना बनाया गया। इसको लेकर की गई एक पोस्ट में लिखा गया, '2026 में बेटे को लेकर यह जुनून देखना बहुत निराशाजनक है। जब क्लिन कारा (राम चरण और उपासना की पहली बेटी) का जन्म हुआ था, तब उसका स्वागत इतना भव्य नहीं किया गया था। यह इसी बीमार सोच का सबूत है।' हालांकि यह पोस्ट अब डिलीट हो चुकी है। इस पोस्ट पर ही चिरंजीवी के भतीजे वरुण तेज की पत्नी व अभिनेत्री लावण्या ने चिरंजीवी का समर्थन किया। लावण्या ने इसको लेकर अपने एक्स पर लिखा, 'मैं आमतौर पर ऐसे ट्वीट्स को नजरअंदाज कर देती हूं और आगे बढ़ जाती हूं। लेकिन आपसे यह उम्मीद नहीं थी। यह ट्वीट बेहद खराब सोच दिखाता है और एक खुशी के पल को बेवजह नकारात्मक बना रहा है।' लावण्या ने आगे लिखा, 'चिरंजीवी औरतों और पोतियों को परिवार में अच्छी तरह ट्रीट करते हैं। आप लोगों को बिलकुल अंदाजा नहीं है कि वे कितनी अच्छी तरह से परिवार में औरतों और पोतियों की देखभाल करते हैं, खासकर पोतियों की। बहुत कम पुरुष ऐसे होते हैं, जो उसका 1: भी कर पाते हैं, जितना वो करते हैं। इसलिए बेहतर है कि आप उनपर कमेंट न करें जिन्हें आप अच्छी तरह नहीं जानते।'

# जीवनशैली के दोषों से उपजा खतरा

आज भारतीयों में जीवन शैली की विसंगतियों और खानपान में बढ़ती तामसिक प्रवृत्तियों के चलते शरीर कई तरह की बीमारियों का घर बनता जा रहा है। इसमें बढ़ती उम्र के साथ यूरिन से जुड़ी बीमारियां प्रमुख होती हैं। इसके साथ ही प्रोस्टेट और इसमें होने वाले कैंसर की आशंका बहुत अधिक बढ़ रही है। समय–समय पर जांच से आम आदमी ऐसे रोगों का पता लगाकर वक्त रहते उपचार करा सकता है।

बढ़ती उम्र का रोग

दरअसल प्रोस्टेट की समस्या बढ़ती उम्र का रोग है। जो किसी भी पुरुष को पचास साल के बाद हो सकता है। इसमें कभी–कभी कैंसर भी हो जाता है। पुराने अनुभव बताते हैं कि सात में से एक व्यक्ति को प्रोस्टेट का कैंसर होने की संभावना होती है। इसलिए यदि किसी व्यक्ति को रुक–रुक कर पेशाब आता हो या कभी–कभी रुक जाता है। संसर्ग करने में दिक्कत होती है। यूरिन या सीमेन में ब्लड आता हो। कमर में दर्द होता है तो तुरंत इसकी जांच करवाएं। इन रोगों के लक्षण होने पर यूरोलॉजिस्ट से परामर्श करना चाहिए। वैसे हमारी जीवन शैली के दोषों के चलते पचास साल की उम्र में पेशाब की परेशानी होना आम बात है। कुछ लोगों को किडनी में भी दर्द हो सकता है।

खून आने पर टेस्ट

यदि पेशाब में खून आता हो तो तुरंत यूरोलॉजिस्ट से जांच करवाएं। इसकी जांच में पीएसए टेस्ट महत्वपूर्ण होता है। साथ ही अल्ट्रासाउंड कराने की जरूरत भी होती है। यदि जांच में कुछ गड़बड़ नहीं आती है तो इसका मतलब है कि यूरिन ब्लैडर में कैंसर या प्रोस्टेट नहीं है। यह भी पता चलता है कि कोई रसौली तो नहीं है।

डाक्टरी सलाह और इलाज

यह जरूरी है कि किसी योग्य यूरोलॉजिस्ट से ही परामर्श लें व इलाज करवाएं। आम तौर पर प्रोस्टेट लिंग के अगले हिस्से में आये अवरोध के कारण होता है। जो यूरिन की आवृत्ति में कमी लाता है। यह जरूरी है कि बाजार से कोई भी दवा बिना किसी यूरोलॉजिस्ट की सलाह के न लें। अब चाहे मूत्राशय तंत्र का कैंसर हो या प्रोस्टेट का कैंसर वो धीरे–धीरे बढ़ता है। ब्लड का आना भी रुक–रुक कर होता है। यदि एक बार रुक गया तो नहीं मान लेना चाहिए कि अब जांच की जरूरत नहीं है। दरअसल, प्रोस्टेट कैंसर बढ़ता रहता है। ऐसे में जांच कराकर ही निश्चिंत हो जाएं कि सारी स्थिति नार्मल है। फिर आप डॉक्टर के परामर्श से ली जाने वाली दवा पर अपनी जिंदगी रोगमुक्त होकर काट सकते हैं।

दूसरे लक्षण भी

दरअसल, कई तरह के अन्य लक्षण देखकर हम इस रोग का पता लगा सकते हैं। जैसा नर्व का कमजोर होना। यौन व्यवहार में व्यवधान होना। पेशाब के रास्ते में दर्द का होना रोग के लक्षण हो सकते हैं। ये संकेत हैं कि किसी व्यक्ति को प्रोस्टेट के रोग के साथ कैंसर हो सकता है। किडनी का कैंसर या फिर ब्लड कैंसर हो सकता है।

मर्ज के मूल में जीने का ढंग

सवाल उठाया जाता है कि प्रोस्टेट या उसका कैंसर क्यों होता है। क्या यह हमारी जीवन शैली व खानपान की देन है? निश्चित रूप से हमारा अपने परंपरागत खानपान से दूर होना और शारीरिक सक्रियता कम होना इसकी वजह है। सामान्य सी बात है कि हम यदि रेड मीट खाते हैं या चिकन खाते हैं तो उसका प्रतिकार तो होगा। आप किसी को मारकर सुख पाने की बात सोचेंगे तो दुख ही तो मिलेगा। ये कर्मफल की बात है। यह तार्किक है कि मांसाहारी भोजन कैंसर होने की संभावना को बढ़ाता है। यदि आप नियमित धूम्रपान करते हैं तो यह रोग होने की आशंका होती है। अल्कोहल का सेवन करते हैं तो इस रोग की जद में आने की संभावना बढ़ जाती है। यदि ज्यादा मक्खन या अन्य डेरी प्रोडक्ट लेते हैं तो भी समस्या बढ़ सकती है। हमें पीजा–बर्गर व चाउमिन जैसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, इसमें प्रयोग होने वाले रासायनिक पदार्थ हमारे लिये घातक साबित हो सकते हैं।

प्रदूषण भी वजह

बाकी हमारे जीवन में घर कर गया प्रदूषण भी रोग बढ़ने का कारण बन सकता है। इसमें वातावरण का पॉल्यूशन भी शामिल है और प्लास्टिक का भी। इनका उपयोग कम से कम करने का प्रयास करें। विडंबना ही है कि हमारे खानपान में रासायनिक उर्वरकों तथा अप्राकृतिक चीजों के उपयोग से लगातार ऐसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

दरअसल, भारतीय जीवन दर्शन में स्वस्थ रहने के जो उपाय बताए गए हैं,हम उन्हें भूल गये हैं। हर व्यक्ति को रोज योग व ध्यान करना चाहिए। कम से कम एक घंटा व्यायाम व सैर करनी चाहिए। भारतीयों के खानपान में विटामिन डी की काफी कमी है। यदि रोज सुबह आधे घंटे धूप में बैठते हैं तो कई रोगों से मुक्त हो जाते हैं। इससे कैंसर होने की आशंका भी कम हो जाती है। दरअसल हमारे स्वस्थ रहने में खानपान व जीवनशैली का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

# तनाव दूर करने से लेकर वजन कम करेगा गुलाब

आज यानी 7 फरवरी को रोज डे मनाया जा रहा है। रोज डे से वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो जाती है। इस दिन कपल्स अपने पार्टनर को गुलाब तोहफे के तौर पर देते हैं लेकिन प्यार का प्रतीक होने के साथ–साथ गुलाब स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। यह सबसे पुराने औषधीय पौधों में से एक है। गुलाब के फूल का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है। रोज डे के मौके पर आपको गुलाब से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

वजन कम करने में करेगा मदद

गुलाब की पंखुड़ियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो मेटाबॉल्जिम के स्तर को सुधारने में मदद करते हैं इसके अलावा गुलाब की पंखुड़ियां शरीर में से जहरीले पदार्थ बाहर निकालने में भी सहायता करती है। एक गिलास पानी उबाल लें। फिर उसमें 15–20 गुलाब की पंखुड़ियां डालें जब पानी गुलाबी होने लगे तो गैस बंद कर दें। फिर इसमें एक चुटकी दालचीनी और एक चम्मच शहद मिलाएं। इस चाय को नियमित पीने से आपका वजन कम होगा।

तनान कम करने में करेगा मदद

गुलाब की पंखुड़ियां स्ट्रेस दूर करने और दिमाग को शांत करने में भी मदद करती है। रिसर्च के अनुसार, गुलाब की पंखुड़ी को नहाने वाले पानी में डालने से तनाव कम होता है और दिमाग को भी रिलैक्स मिलता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

गुलाब के फूल का सेवन करने से इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। इसमें विटामिन–सी पाया जाता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और सर्दी–जुकाम ठीक करने में मदद करता है।

इंफेक्शन से बचाए

गुलाब का फूल इंफेक्शन से बचाने में भी सहायता करता है। यह इम्यूनिटी बढ़ाकर आपके शरीर को संक्रमण से दूर रखने में भी मदद करता है। नियमित रुप से आप गुलाब के फूल का सेवन करके अपने शरीर को इंफेक्शन से बचा सकते हैं।

विटामिन–सी का स्त्रोत

गुलाब का पौधा विटामिन–सी का बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। विटामिन–सी बढ़ती उम्र के लक्षणों को कंट्रोल करने में मदद करता है। गुलाब की पंखुड़ियां कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर त्वचा को हैल्दी बनाने में भी मदद करती हैं।

चमकती त्वचा के लिए गुलाब

बहुत से शोधों में इस बात का खुलासा हुआ है कि गुलाब की पंखुड़ियां त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। इसमें एंटीबैक्टीरियल और फाइटोकेमिकल्स मौजूद होते हैं जो मुहांसे कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा गुलाब त्वचा की रंगत निखारने में भी मदद करता है।

# बेबी की स्किन को स्वस्थ और साफ रखने के सुरक्षित घरेलू उपाय

हर बच्चा अपने आप में खास होता है। उसकी रंगत कैसी है, इससे उसकी सेहत या सुंदरता तय नहीं होती। बच्चे की त्वचा का रंग उसके जीन पर निर्भर करता है और जन्म के बाद उसे बदला नहीं जा सकता। हां, इतना जरूर किया जा सकता है कि शिशु की त्वचा स्वस्थ, साफ और नैचुरल ग्लोइंग बनी रहे। ध्यान रखें बाजार की केमिकल वाली क्रीम और लोशन शिशु की नाजुक त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हमेशा सुरक्षित और घरेलू उपायों को ही अपनाना बेहतर होता है।

बेसन का हल्का पेस्ट

बेसन त्वचा को साफ करने में मदद करता है।

कैसे बनाएंः बेसन में थोड़ा कच्चा दूध और बहुत ही चुटकी भर हल्दी मिलाकर पतला पेस्ट बनाएं।

इसे शिशु की त्वचा पर 5,10 मिनट लगाकर रखें और फिर गीले, मुलायम कपड़े से हल्के हाथ से साफ कर दें।

इससे त्वचा साफ दिखती है और नेचुरल चमक आती है।

घरेलू बॉडी पैक

चंदन पाउडर, कच्चा दूध और थोड़ा सा केसर मिलाकर हल्का पैक बनाया जा सकता है।

इसे शरीर पर लगाकर सूखने दें और फिर मुलायम कपड़े से पोंछ लें।

यह त्वचा को ठंडक देता है और डलनेस कम करता है।

हार्श साबुन से बचें

शिशु की त्वचा के लिए सिर्फ बेबी माइल्ड सोप ही इस्तेमाल करें।

ज्यादा साबुन या तेज केमिकल वाले प्रोडक्ट त्वचा को रूखा बना सकते हैं।

आप कच्चे दूध और गुलाब जल से भी हल्के हाथ से त्वचा साफ कर सकती हैं।

मॉइस्चराइजर जरूरी है

दिन में 2,3 बार हल्के मॉइस्चराइजर से बेबी की मसाज करें।

इससे त्वचा हाइड्रेटेड रहती है, ड्रायनेस नहीं होती और नेचुरल ग्लो बना रहता है।

तेल से मालिश

नारियल तेल या ऑलिव ऑयल से रोजाना हल्की मालिश करें।

तेल को हल्का गुनगुना कर लें और बहुत सॉफ्ट हाथों से मसाज करें।

इससे त्वचा मुलायम, स्मूद और स्वस्थ रहती है।

हल्की धूप दिखाएं

सुबह की हल्की धूप शिशु के लिए फायदेमंद होती है।

इससे विटामिन डी मिलता है और इम्युनिटी बढ़ती है।

ध्यान रखें तेज धूप में बच्चे को बिल्कुल न ले जाएं।

# न हड्डियों की बीमारी, न विटामिन की कमी, फिर भी मसल पेन क्यों रहता है?

मांसपेशियों में लगातार दर्द की समस्या कई लोगों को परेशान करती है। अक्सर लोग सोचते हैं कि इसका कारण विटामिन की कमी या हड्डियों की कोई बीमारी हो सकती है। लेकिन कई बार, इन दोनों चीजों का स्तर बिल्कुल सही होने के बावजूद मसल पेन बना रहता है। इस समस्या के पीछे क्या कारण हो सकते हैं और इससे कैसे राहत पाई जा सकती है, इसका खुलासा मैक्स हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक एक्सपर्ट डॉ. अखिलेश यादव ने किया।

मसल पेन के मुख्य कारण

लंबे समय तक एक ही पोजिशन में बैठना

आजकल ऑफिस वर्क या घर से काम करते समय कई लोग घंटों एक ही पोजिशन में बैठे रहते हैं। लैपटॉप या मोबाइल पर झुकी हुई गर्दन, पीठ और कंधों पर दबाव डालती है। इससे मसल्स लगातार तनाव में रहते हैं और दर्द पैदा होता है। सही पोस्चर ना अपनाने पर यह समस्या और बढ़ जाती है।

मानसिक तनाव और नींद की कमी

मानसिक तनाव भी मसल पेन का एक बड़ा कारण हो सकता है। तनाव की वजह से शरीर में हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे मांसपेशियां लगातार टाइट रहती हैं और दर्द महसूस होता है। साथ ही नींद की कमी भी मसल्स को रिपेयर होने से रोकती है, जिससे दर्द लगातार बना रहता है।

डिहाइड्रेशन (पानी की कमी)

शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन भी मसल पेन का कारण बन सकती है। पानी की कमी से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स कम हो जाते हैं, जिससे मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द महसूस होता है। यह समस्या गर्मी के मौसम में या अधिक पसीना निकलने पर ज्यादा बढ़ जाती है। एथलीट्स में भी यही कारण मसल पेन का मुख्य कारण बनता है।

मसल पेन से राहत पाने के आसान उपाय

मांसपेशियों में दर्द को कम करने के लिए कुछ सरल बदलाव अपनाए जा सकते हैं

सही पोस्चर अपनाएंः कभी भी 1 घंटे से अधिक समय तक एक ही पोजिशन में न बैठें।

रोजाना हल्की स्ट्रेचिंगः मसल्स को रिलैक्स रखने के लिए दिन में कुछ हल्की एक्सरसाइज या स्ट्रेचिंग करें।

पर्याप्त पानी पीएंः दिन में कम से कम 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

पूरा आराम और नींद लेंः मसल्स के रिपेयर और रिलैक्सेशन के लिए 7,8 घंटे की नींद जरूरी है।

मसल पेन अक्सर बड़ी बीमारी का संकेत नहीं होता, लेकिन यह रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर सकता है। सही पोस्चर, पर्याप्त पानी, स्ट्रेचिंग और अच्छी नींद अपनाकर आप मसल पेन से राहत पा सकते हैं।

## संक्षिप्त

### विश्व चैंपियन गुकेश नश्वर्वे शतरंज में खेलेंगे, कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी भी होंगे शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। मौजूदा विश्व चौंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चौंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है। पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चौंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं। गुकेश ने 2024 में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता और फिर तत्कालीन विश्व चौंपियन डिंग लिरेन को हराकर सिर्फ 18 साल की उम्र में विश्व खिताब हासिल किया। गुकेश ने अपनी प्रगति के दौरान कई उपलब्धियां हासिल की जिसमें 2750 रेटिंग अंक पार करने वाला अब तक का सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करना शामिल है। वह शतरंज के इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर हैं। नॉर्वे शतरंज में 2025 में गुकेश ने कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल जीत भी हासिल की थी। कार्लसन ने पिछले महीने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी। सभी प्रारूप में 20 बार के विश्व चौंपियन ने पिछले 13 वर्षों में हमेशा अपने घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। हालांकि उन्होंने धीरे–धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर होने की इच्छा जताई थी। नॉर्वे शतरंज एक क्लासिकल प्रारूप की प्रतियोगिता है और मौजूदा विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चौंपियन कार्लसन ने इसे सात बार जीता है। एक अन्य भारतीय स्टार आर प्रज्ञानंद ने भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख नॉर्वे शतरंज में महिलाओं के वर्ग में पदार्पण करेंगी और 2024 में इस वर्ग के शुरू होने के बाद महिलाओं के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन जाएंगी। अब तक किसी भी भारतीय ने यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नहीं जीता है।

### सीबीआई और ईडी को सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश, कहा– धोखाधड़ी की निष्पक्ष और तटस्थ जांच करें

नई दिल्ली,एजेंसी। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने आज अहम आदेश पारित किया। कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े कथित बैंकिंग ध ोखाधड़ी मामले में निष्पक्ष और तटस्थ जांच करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। उन्होंने CBI और ED से चार सप्ताह के भीतर ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। पीठ ने टिप्पणी की कि जांच शुरू करने में एजेंसियों को पहले ही समय लग चुका है। अदालत ने ईडी को निर्देश दिया कि वह वरिष्ठ अधि ाकारियों की एक विशेष जांच टीम गठित कर एडीजीए और अन्य संबंधित पक्षों की जांच करे। साथ ही, अनिल अंबानी और ।क।ळ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं मुकुल रोहतगी और श्याम दीवान की पेशी का संज्ञान लेते हुए उन्हें जनहित याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। सुनवाई के दौरान रोहतगी ने उस मांग का विरोध ा किया जिसमें अदालत से अनिल अंबानी के देश छोड़ने पर रोक लगाने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था। उन्होंने पीठ को आश्वासन दिया कि अनिल अंबानी भारत में ही रहेंगे और अदालत की अनुमति के बिना विदेश नहीं जाएंगे। उधर, जांच एजेंसियों की ओर से पेश तुषार मेहता ने बताया कि संबंधित व्यक्ति के विदेश जाने से रोकने के लिए विभिन्न लुक–आउट सर्कुलर जारी हैं। इससे पहले, अदालत ने इस मामले में सीबीआई और ईडी को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। 18 नवंबर को पीठ ने केंद्र सरकार, CBI, ED, अनिल अंबानी और रिलायंस ADAG को नोटिस जारी किया था। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि यह पक्षकारों को पेश होकर जवाब दाखिल करने का आखिरी अवसर दिया जा रहा है। याचिकाकर्ता ईएएस सरमा द्वारा दायर च्स् में आरोप लगाया गया है कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ADAG की कई इकाइयों में सार्वजनिक धन की सुनियोजित हेराफेरी, वित्तीय विवरणों की कथित गढ़ंत और संस्थागत स्तर पर मिलीभगत हुई।

# पाकिस्तान अपने ही खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी कर रहा, भारत से मैच के बहिष्कार पर कपिल देव की दो टूक

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के महान कप्तान और ऑलराउंडर कपिल देव ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के पाकिस्तान के फैसले पर सख्त एतराज जताया है। उनका कहना है कि यह फैसला किसी और को नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट और उसके खिलाड़ियों को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगा। कपिल देव के मुताबिक, ऐसे बोर्ड–स्तरीय फैसलों की कीमत खिलाड़ियों को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। एनडीटीवी से बातचीत में कपिल देव ने साफ शब्दों में कहा कि अगर यह फैसला खिलाड़ियों ने नहीं, बल्कि बोर्ड ने लिया है, तो इसका असर बेहद नकारात्मक होगा। उन्होंने कहा, श्अगर यह फैसला खिलाड़ियों ने लिया होता, तो वे खुद सामने आकर कहते। लेकिन जब बोर्ड तय करता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की साख गिरती है। यह पाकिस्तान के लिए अच्छा नहीं दिखता। कपिल देव ने इस फैसले को पाकिस्तान के युवा क्रिकेटरों के लिए घातक बताया। उनके मुताबिक, विश्व कप जैसे मंच पर खेलने का मौका हर खिलाड़ी का सपना होता है, और उसे छीन लेना एक पूरी पीढ़ी के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा, आप एक पूरी पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं। पाकिस्तान ने वर्षों से शानदार टैलेंट दिया है, लेकिन अगर आप इन लड़कों को विश्व कप खेलने नहीं देंगे, तो आप खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और अपने ही खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।

पाकिस्तान सरकार ने रविवार को घोषणा की कि वह टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा तो लेगा, लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज मैच में नहीं उतरेगा। यह फैसला आईसीसी द्वारा बांग्लादेश की मैच स्थान बदलने की मांग खारिज किए जाने के बाद सामने आया, जिसके बाद टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड की एंट्री हुई। कपिल देव का मानना है कि शुरुआत में इस फैसले से भावनात्मक प्रतिक्रियाएं जरूर होंगी, लेकिन समय के साथ दुनिया आगे बढ़ जाएगी और पाकिस्तान अकेला रह जाएगा। उन्होंने कहा, भावनाएं और दर्शक जरूर प्रभावित होंगे, लेकिन लंबे समय में किसी को फर्क नहीं पड़ेगा। लोग आगे बढ़ जाएंगे। आईसीसी पहले ही पाकिस्तान के रुख पर चिंता जता चुका है और पीसीबी से फैसले पर दोबारा विचार करने को कह चुका है। टूर्नामेंट नियमों के मुताबिक, अगर टॉस के समय दोनों टीमें मौजूद नहीं होतीं, तो वॉकओवर दिया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय टीम तय कार्यक्रम के अनुसार कोलंबो पहुंचेगी और कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए मौजूद रहेंगे। अगर पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा नहीं आते हैं, तो भारत को दो अंक मिल सकते हैं। खेल के अलावा आर्थिक मोर्चे पर भी नुकसान तय माना जा रहा है। भारत–पाकिस्तान मैच विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक मुकाबला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉकओवर की स्थिति में ब्रॉडकास्टर को करीब 250 करोड़ रुपये तक का विज्ञापन नुकसान हो सकता है।

# आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत–पाकिस्तान मुकाबले

लंदन,एजेंसी। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत–पाकिस्तान मुकाबले को लेकर पैदा हुआ विवाद अब सिर्फ एक मैच तक सीमित नहीं रहा है। पाकिस्तान द्वारा ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ खेलने से इनकार करने पर पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ललित मोदी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ–साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उसके अध्यक्ष ट्रॉफी चोर मोहसिन नकवी को भी लताड़ा है। उनका साफ कहना है कि जब खेल में राजनीति घुसती है, तो नुकसान क्रिकेट का होता है और फायदा सिर्फ फ्रेंचाइजी क्रिकेट को। आईएएनएस से बातचीत में ललित मोदी ने पाकिस्तान के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, श्क्रिकेट मैदान में तय होने के लिए बना है, बोर्डरूम या बहिष्कार के जरिए नहीं। जब राजनीति खेल में घुसती है, तो खेल हारता है, लेकिन फैंस हमेशा याद रखते हैं कि किसने प्रतिस्पध र्ा का साथ दिया।श उनका मानना है कि भारत–पाकिस्तान मुकाबले जैसे हाई–वोल्टेज मैच क्रिकेट की आत्मा हैं और ऐसे मुकाबलों से पीछे हटना खेल भावना के खिलाफ है। पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ मैच से हटने का फैसला किया है, जो सरकारी निर्देशों के बाद लिया गया बताया जा रहा है। हालांकि, पाकिस्तान टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में हिस्सा लेगा। यह चयनात्मक बहिष्कार कई सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब भारत–पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता को विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद आईसीसी स्टेकहोल्डर्स से सलाह–मशविरा कर रही है। टूर्नामेंट नियमों के मुताबिक, किसी टीम के मैच से हटने पर विरोधी टीम को अंक मिल सकते हैं। ऐसे में अगर बहिष्कार कायम रहता है, तो भारत को बिना खेले अंक मिलना लगभग तय है।

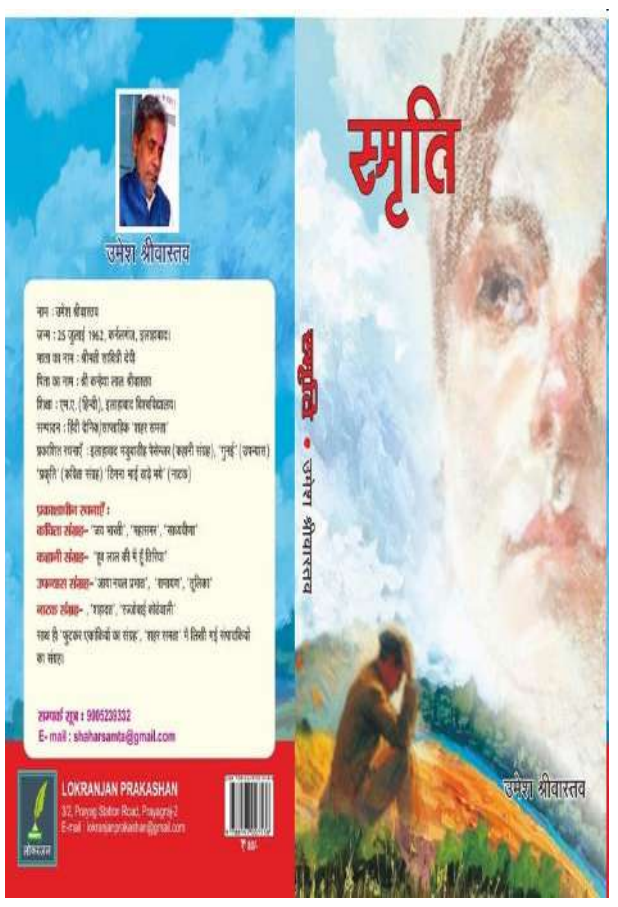


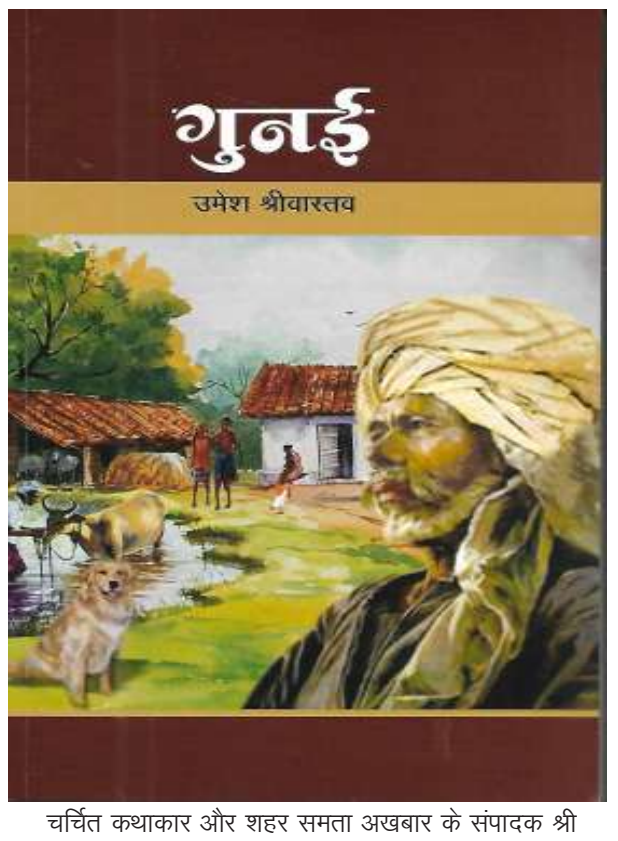


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

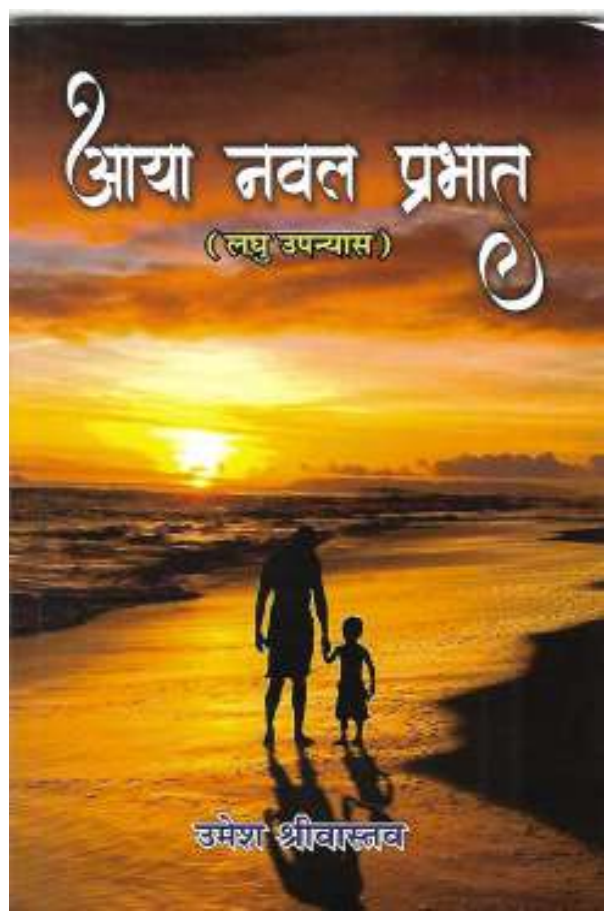


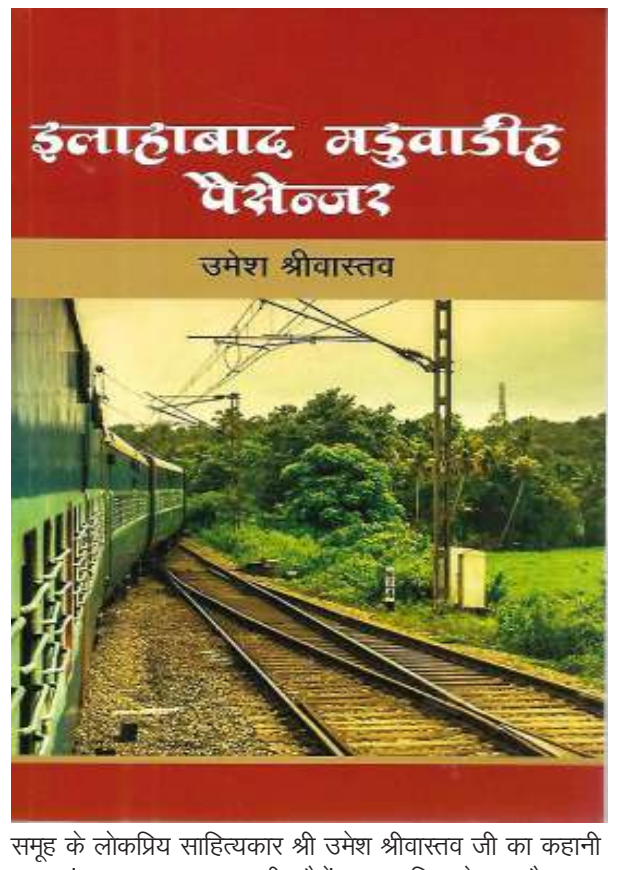


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

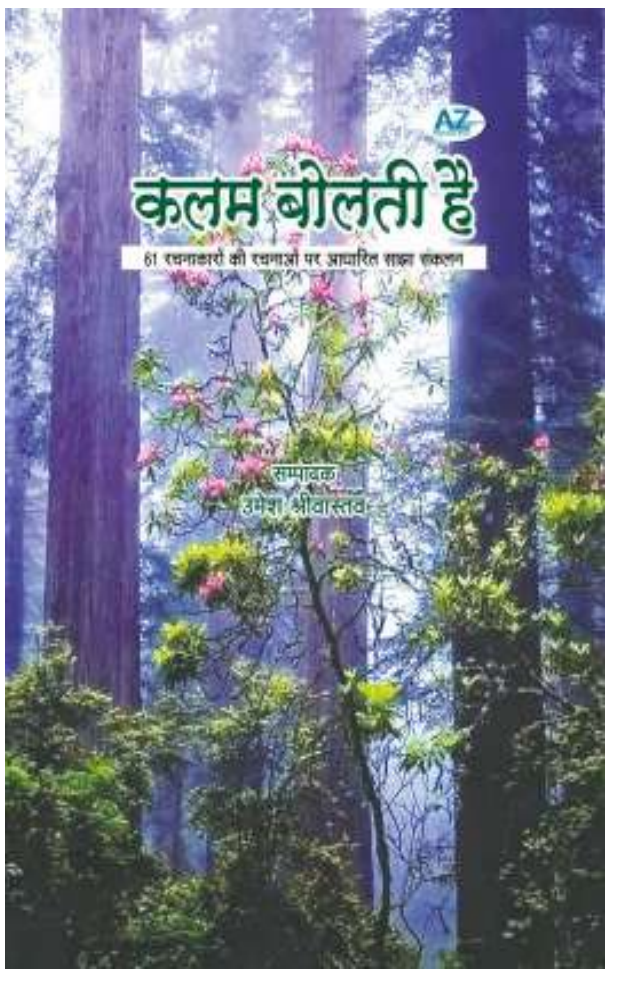


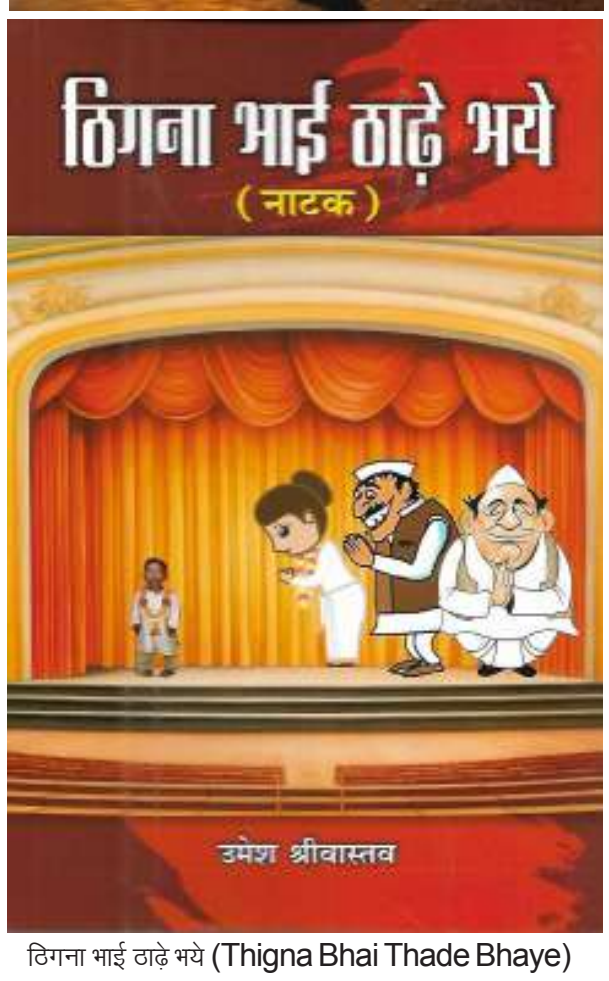


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# रूस से बंद कर अमेरिका-वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रेड डील पर ट्रंप की प्रेस सचिव का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार (02 फरवरी) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया पारस्परिक टैरिफ 18 फीसदी कर दिया। इसी के साथ लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर भी ट्रंप ने सहमति जताई है। ऐसे में अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत–अमेरिका के व्यापार समझौते पर जानकारी साझा की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को अमेरिका–भारत समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। लेविट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी तेल की

खरीद बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए। वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा, श्भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा, परिवहन और कृषि उत्पादों सहित अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह एक और शानदार व्यापार समझौता है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत के बाद व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद की गई है। उन्होंने कहा, श्जैसा कि आप सभी ने देखा, राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात कीय दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करते हुए लेविट ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नकदी की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, श्राष्ट्रपति के टैरिफ कारगर साबित हो रहे हैं और उनका आर्थिक एजेंडा भी काम कर रहा है। टैरिफ लगाने के साथ–साथ अमेरिका में विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा देने से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने दुनिया भर के देशों और कंपनियों से अमेरिका में निवेश लाने में अहम भूमिका निभाई है। पिछले कुछ महीनों में हमने निर्माण क्षेत्र में रोजगार में भारी वृद्धि देखी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कारखाने यहीं अमेरिका में बनाए जा रहे हैं और हम अमेरिकियों को रोजगार दे रहे हैं। बता दें कि टैरिफ को लेकर एक साल के राजनयिक तनाव के बाद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच नए सिरे से रिश्ते मजबूत होने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रविवार को घोषणा करते हुए बताया था कि भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, साथ ही रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना भी हटा दिया जाएगा। साथ ही व्यापार समझौते पर भी सहमति जाहिर की। ट्रंप की इस घोषणा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने शुल्क कटौती की पुष्टि की। उन्होंने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अब भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में कम शुल्क देना होगा। हालांकि, समझौते की अन्य शर्तें अभी तक स्पष्ट नहीं हैं।

## संक्षिप्त

### रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की बेबसी का रोना, बलूच लड़ाकों के खिलाफ सेना सक्षम संसद में बड़ा कुबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहा है। पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के खिलाफ

सैन्य कार्रवाई कर रही है। अपने अभियान को पाकिस्तान ने श्ऑपरेशन हेरोफ फेज 2श नाम दिया है। बलूच विद्रोहियों ने अशांत प्रांत के कई कस्बों में एक साथ कई हमले किए। जिसमें कम से कम 80 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 30 से अधिक सरकारी संपत्तियां तहस–नहस को गईं। वहीं पाकिस्तान का दावा है कि आर्मी एक्शन में कम से कम 177 बलूच विद्रोहियों को मारा गया है। हालांकि बलूच राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता हकीम बलूच ने इस्लामाबाद के दावे को खारिज किया है। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना बलोच लिब्रेशन आर्मी के सामने बेबस नजर आ रही है। सेना ने बलूच लड़ाकों के सामने घुटने टेक दिए हैं। जिसपर बड़ा कुबूलनामा पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने किया है। ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली में अपनी बेबसी का रोना रोया और स्वीकार किया है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लड़ाकों का सामना करने में अक्षम है।

### नाइजीरिया में आतंकी हमलों के बाद अमेरिका ने भेजी सैन्य टीम, आरोपों के साए में सहयोग और तेज

लागोस , एजेंसी। अमेरिका ने हाल के आतंकी हमलों के बाद नाइजीरिया में अमेरिकी सेना के अधिकारियों की एक छोटी टीम भेजी है। यह जानकारी अमेरिका के अफ्रीका कमांड (एएफआरआईसीओएम) के प्रमुख जनरल डैगविन आर. एम. एंडरसन ने दी। जनरल एंडरसन ने बताया कि यह फैसला पिछले साल रोम में नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टिनुबू से

हुई उनकी मुलाकात के बाद लिया गया। उनके मुताबिक, श्इस बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है। इसी के तहत अमेरिका की एक छोटी टीम नाइजीरिया भेजी गई है, जो कुछ खास क्षमताओं के साथ वहां की सेना की मदद करेगी।श यह साफ नहीं है कि यह टीम नाइजीरिया कब पहुंची। यह कदम उस समय आया है जब अमेरिका ने 25 दिसंबर को इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक आतंकी गुट पर हवाई हमले किए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और तेज हुआ है। अमेरिका पहले ही नाइजीरिया को सैन्य उपकरण, खुफिया जानकारी, निगरानी मिशन जैसी मदद देता रहा है, लेकिन इस नए सहयोग की शर्तें सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं की गई हैं। नाइजीरिया हाल के महीनों में अमेरिका के राजनीतिक और कूटनीतिक दबाव में भी रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया था कि नाइजीरिया अपने ईसाई नागरिकों की सुरक्षा ठीक से नहीं कर पा रहा। इसके बाद अमेरिका ने नाइजीरिया को श्विशेष चिंता का देशश घोषित किया, यह दर्जा उन देशों को दिया जाता है जहां ध ार्मिक उत्पीड़न के आरोप होते हैं। हालांकि, नाइजीरियाई सरकार ने श्ईसाई नरसंहारश के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। सरकार का कहना है कि आतंकी समूह धर्म देखकर नहीं, बल्कि आम नागरिकों को निशाना बनाते हैं। नाइजीरिया लंबे समय से कई सशस्त्र संगठनों से लड़ रहा है, जिनमें बोको हराम और इस्लामिक स्टेट पश्चिम अफ्रीका प्रांत शामिल हैं। पिछले महीने, उत्तर–पश्चिमी कडुना राज्यमें एक सशस्त्र समूह ने तीन चर्चों पर एक साथ हमला किया, जिसमें 168 लोगों का अपहरण कर लिया गया।

### अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, स्टीफन मिरान ने छोड़ा सीईए के चेयरमैन का पद,

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैं। फेड एक गैर–राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# ट्रंप की टैरिफ धमकी के बाद झुका मेक्सिको, हर साल तय मात्रा में देगा अमेरिका को पानी

मेक्सिका, एजेंसी। मेक्सिको और अमेरिका के बीच पानी को लेकर एक अहम समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत मेक्सिको अब हर साल अमेरिका को तय मात्रा में पानी देगा, ताकि भविष्य में कोई अनिश्चितता न रहे। बता दें कि, इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर मेक्सिको ने ज्यादा और समय पर पानी नहीं दिया, तो वह मैक्सिको से आने वाले सामान पर पांच फीसदी तक टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ा सकते हैं। इसके बाद दोनों देशों के बीच कई महीनों से बातचीत चल रही थी। नए समझौते के अनुसार, मेक्सिको मौजूदा पांच

साल के चक्र में हर साल कम से कम 3.5 लाख एकड़–फुट पानी अमेरिका को देगा। एक एकड़–फुट पानी का मतलब है– 1 एकड़ जमीन पर 1 फुट गहराई तक पानी। 1944 की जल संधि के तहत मेक्सिको को हर पांच साल में 17.5 लाख एकड़–फुट पानी अमेरिका को देना होता था। औसतन यह भी सालाना 3.5 लाख एकड़–फुट ही बनता है, लेकिन अमेरिका का आरोप था कि मेक्सिको शुरू के वर्षों में कम पानी देता है, बाद में आखिरी वर्षों में पूरा करता है, इससे टेक्सास के किसानों को नुकसान होता है। नया समझौता इस समस्या को खत्म करेगा, क्योंकि अब हर साल न्यूनतम पानी देना अनिवार्य होगा। हालांकि अमेरिका इस समझौते को बड़ी जीत बता रहा है, लेकिन मेक्सिको में यह मुद्दा संवेदनशील है। खासतौर पर उत्तरी राज्यों में सूखे की स्थिति है। सीमावर्ती राज्य तामाउलिपास में किसानों का कहना है कि पानी की कमी के कारण कई लोगों ने फसल बोई ही नहीं। यह समझौता पिछले हफ्ते ट्रंप और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद संभव हुआ। दिसंबर में शीनबाम ने कहा था कि मेक्सिको पुराने जल बकाये को चुकाने के लिए ज्यादा पानी भेजेगा।

# फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार, 7 मई को सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल

2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है। वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है। अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार–बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा। एफबीआई के विशेष एजेंट मार्क एस्पोसिटो की ओर से अदालत में दायर हलफनामे के अनुसार अरोड़ा गलियारे वाली सीट पर बैठा था, जबकि पीड़ित उसके बगल वाली बीच वाली सीट पर सो रही थी। हलफनामे के मुताबिक महिला ने अरोड़ा को अपने प्राइवेट पार्ट को छूने का पहली बार अनुभव करने के बाद खुद को उससे दूर करने की कोशिश की और उसका हाथ हटा दिया। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और फिर से छूने की कोशिश करने लगा। हलफनामे के अनुसार, विमान से उतरते समय उसने उसकी एक तस्वीर ली और अगले दिन इस घटना की सूचना अमेरिकन एयरलाइंस को दी। एफबीआई ने मामले की जांच की और पुष्टि की है कि पीड़ित और संदिग्ध उड़ान में एक दूसरे के बगल में बैठे थे। आंशिक रूप से पीड़ित द्वारा ली गई संदिग्ध की तस्वीर की तुलना अरोड़ा के ड्राइविंग लाइसेंस पर मौजूद तस्वीर से करके। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष अक्टूबर में उन पर आरोप तय किए गए थे। अब संघीय जिला न्यायालय के न्यायाधीश अमेरिकी सजा दिशानिर्देशों और अन्य वैधानिक कारकों पर विचार करने के बाद सजा का निर्धारण करेगा। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार अमेरिका में अरोड़ा शबिना कानूनी दर्जे केश रह रहा था।

# अमेरिका के साथ परमाणु शस्त्र संधि खत्म होने से पहले बोला रूस- हम तैयार हैं, इसके मायने क्या?

मॉस्को, एजेंसी।रूसी शस्त्र नियंत्रण मामलों के प्रमुख व उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने चेताया कि न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति के बाद रूस परमाणु शस्त्र नियंत्रण सीमाओं के बिना दुनिया की नई हकीकत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बीजिंग में कहा, जवाब न देना भी एक जवाब है। न्यू स्टार्ट की सीमाओं को बढ़ाने के रूसी प्रस्तावों पर वाशिंगटन की प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने यह बात कही। यह एक बार फिर दुनिया में हथियारों की दौड़ के संकेत हैं रियाबकोव ने कहा, रूस दशकों में पहली बार दुनिया की दो बड़ी एटमी शक्तियों के लिए बिना किसी सीमा के रहने की नई वास्तविकता को तैयार है। उन्होंने शस्त्र नियंत्रण पर चीनी रुख का समर्थन किया। रियाबकोव ने कहा, यदि अमेरिका ग्रीनलैंड में मिसाइल रक्षा प्रणालियां तैनात करता है, तो रूस को अपने सैन्य क्षेत्र में क्षतिपूर्ति उपाय करने होंगे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा व पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव द्वारा 2010 में की गई न्यू स्टार्ट संधि 5 फरवरी को खत्म हो जाएगी। 5 फरवरी, 2026 को अमेरिका–रूस के बीच न्यू स्टार्ट संधि समाप्त होने से दोनों देशों के परमाणु हथियारों पर लगा आखिरी कानूनी अंकुश हट जाएगा। इससे एक नई और बेलगाम परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू होने का खतरा है। आशंका है कि इसके बाद वैश्विक सुरक्षा में गिरावट, अविश्वास में वृद्धि और शीत युद्ध जैसे हालात पैदा होंगे। इससे परमाणु हथियारों की बेतहाशा वृद्धि होगी। संधि समाप्त होने से एक–दूसरे के परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी। इस कदम से दोनों देशों में एक–दूसरे के प्रति अविश्वास बढ़ने से पूरी दुनिया में भरोसे का संकट मंडराएगा। निरीक्षण न होने और सूचना के अभाव में गलत अनुमान के कारण परमाणु संघर्ष का जोखिम बढ़ जाएगा। चीन, रूस और अमेरिका के बीच एक जटिल त्रिकोणीय हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है, जो एटमी निरस्त्रीकरण के प्रयासों पर झटका होगा। रूस ने मंगलवार सुबह तक यूक्रेन पर एक बड़े हमले में करीब 450 लंबी दूरी के ड्रोन और कई तरह की 70 मिसाइलें दागीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, पांच क्षेत्रों में हुई बमबारी में 32 बैलेस्टिक मिसाइलों से बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया। वह बोले, रूस हमें सर्दियों में बिजली, हीटिंग और पीने के पानी से वंचित करना चाहता है। निजी बिजली कंपनी डीटीईके ने कहा, यह इस साल बिजली नेटवर्क पर सबसे भीषण हमला था। हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। हमला ऐसे समय हुआ जब नाटो महासचिव मार्क रुट्टे समर्थन जताने के लिए कीव दौरे पर थे।

### अपने ही घर में शहबाज-मुनीर की बेइज्जती भारत-अमेरिका डील पर पाकिस्तानियों ने किया ट्रोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। बीते दिन भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हुआ है, वहीं इस समझौते को लेकर पाकिस्तानियों ने खुद के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया है। सोशल मीडिया पर भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कई पाकिस्तानियों ने अपने पीएम और सेना प्रमुख की जमकर बखिया उधेड़ी है। भारत–पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद ट्रंप ने जहां इस संघर्ष को रुकवाने का दावा किया था, वहीं भारत ने इससे साफ इनकार किया था। जबकि इसके बाद कई मौकों पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ अमेरिकी राष्ट्रपति की तारीफ में कसीदे पढ़ते दिखे थे। अब पाकिस्तानी अपनी सरकार से पूछ रहे हैं कि इतनी जी हजूरी करने के बाद हमें क्या मिला? एक्स पर एक पाकिस्तानी यूजर ने एक पोस्ट में एक एडिटेड पोस्टर पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को रोते हुए दिखाया है। इस तस्वीर में आसिम मुनीर के हाथ में पत्थरों से भरा लकड़ी का एक बक्सा भी है। वहीं एक यूजर ने एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के पीछे आसिम मुनीर को पत्थरों से भरा बक्सा खड़े हुए दिखाया गया है। अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के तहत भारत पर 18 फीसदी टैरिफ लागू होगा, वहीं पाकिस्तान को भारत से ज्यादा 19 फीसदी कर देना होगा। इसे लेकर तमाम पाकिस्तानी अपने सरकार पर जमकर बरस रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान की तरह न जी हजूरी की और न ही अपने शर्तों से पीछे हटा। इस ट्रेड डील के बाद पाकिस्तानी शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर की तुलना वेश्या से की है। वहीं एक यूजर ने एक्स पर एक वीडियो मीम शेयर किया है, जिसमें आसिम मुनीर डॉलर के बैग के साथ तमाम वैश्विक नेताओं की गोद में बैठते दिख रहे हैं।

### क्या खामेनेई की मंशा पर ट्रंप फेर रहे पानी?: बातचीत की राह पर ईरान, लेकिन अमेरिकी हमले से बिगड़ जाएंगे हालात!

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव में पश्चिम एशिया के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। एक और जहां ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत को लेकर साफ संकेत दिया है। वहीं दूसरी ओर उसी समय अमेरिकी नौसेना ने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया, जो विमानवाहक पोत की ओर बढ़ रहा था। यह विरोधाभास दिखाता है कि एक तरफ वार्ता की कोशिशें हैं, वहीं दूसरी ओर तनाव लगातार बढ़ रहा है।

ऐसे में सवाल सवाल यह है कि क्या ईरान और अमेरिका डिप्लोमेसी के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे, या सैन्य टकराव को कोई रोक नहीं पाएगा। बता दें कि ईरान के राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

यह तेहरान की ओर से अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि वह वाशिंगटन के साथ वार्ता के प्रयास करना चाहता है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।